



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 3, 2016/श्रावण 12, 1938

No. 255]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 3, 2016/ SRAVANA 12, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 2016

प्रारंभिक जाँच परिणाम

**विषय :** चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और उक्रैन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “आयरन आथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों”, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच की शुरुआत।

**संख्या 14/12/2016-डीजीएडी.**—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः मै. एस्सार स्टील लिमिटेड, मै. स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, मै. जेएसडब्लू स्टील लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जिन्हें आगे ‘आवेदक’या ‘घरेलू उद्योग’ कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और उक्रैन (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “आयरन आथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है) के उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें पाटन और

घरेलू उद्योग को क्षति का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

3. और यह: प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 19.04.2016 की अधिसूचना सं. 14/12/2016-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें पाटनरोधी नियमावली के नियम के अनुसार संबद्ध जॉच की शुरूआत की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

#### **क. प्रक्रिया**

4. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही की शुरूआत करने से पहले आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों से दूतावासों, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराये गये पतों अनुसार संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों को जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार उनसे जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- ग. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को भेजी थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षों को भी भेजी गई थी।
- घ. भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों से उनके देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को विहित समय-सीमा के भीतर उनके उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था।
- ङ. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें निर्यातक प्रश्नावलियां भेजीं:

#### **चीन जन. गण.**

1. रिझाउ
2. बेताइ आयरन एंड स्टील
3. बाओतोउ आयरन एंड स्टील ग्रुप
4. जिआंसु शांगांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड
5. तोंघाउ आयरन स्टील ग्रुप कार्पोरेशन
6. आंगेंग स्टील कंपनी
7. नांजिंग आयरन एंड स्टील
8. तांगशांग आयरन एंड स्टील
9. वुहान आयरन एंड स्टील
10. तियानजिन आयरन एंड स्टील ग्रुप कं. लि.

जापान

1. निष्पोन सुमितोमो
2. कोबे
3. जेएफई स्टील कार्पोरेशन

कोरिया गणराज्य

1. पोस्को
2. हुंडे स्टील कं. लि.
3. डांगकुक स्टील मिल कं. लि.

उकैन

1. आर्सिलर मित्तल
2. पीजे-एससी "निष्पोल फेरोअल्लॉय प्लांट"

च. जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में संबद्धदेशों से निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों और व्यापारियों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

**I. कोरिया :**

1. कोवोन ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (व्यापारी)
2. डोंगकुम इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक)
3. सैमसंग सीएंडटी कार्पोरेशन (व्यापारी)
4. हुंडे स्टील कं. (उत्पादक)
5. पी एंड ए कार्पोरेशन (व्यापारी)
6. एल जी इंटरनेशनल लिमिटेड (व्यापारी)
7. हुंडे कार्पोरेशन (व्यापारी)
8. पोस्को देवू कार्पोरेशन (व्यापारी)
9. पोस्को एशिया कं. लि. (व्यापारी)
10. पोस्को, कोरिया (उत्पादक)
11. पास्को प्रोसेसिंग एंड सर्विसेज कं. लि. (व्यापारी)

**II. उकैन**

12. जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेडआयरन एंड स्टील वर्क्स (उत्पादक)
13. मेटिनवेस्ट – एसएमसी एलएलसी

14. मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए (व्यापारी)

### III. चीन जन. गण.

15. जिंसा इंटरनेशनल प्रा. लि. (व्यापारी)

16. झाजियागांग यांगत्जे रीवर कोल्ड रोल्ड शीट क. लि. (उत्पादक)

17. जियांग्सू शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)

18. फ्यूचर मैट्रियल इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लि. (व्यापारी)

19. लु किन (हांग कांग) कं. लि. (व्यापारी)

20. अनगांग स्टील कं. लि. (उत्पादक)

21. अनगांग ग्रुप हांगकांग कं. लि. (व्यापारी)

22. बाओशल आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)

23. बाओस्टील सिंगापुर प्रा. लि. (व्यापारी)

### II. जापान

24. निसान ट्रेडिंग कं. लि. (व्यापारी)

25. सुमितोमो कार्पोरेशन (व्यापारी)

**26. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन (व्यापारी)**

**27. ओह्नी इंडस्ट्रीज लि. (व्यापारी)**

**28. कनेमत्सु कार्पोरेशन लि. (व्यापारी)**

**29. जेएफई स्टील कार्पोरेशन (उत्पादक)**

**30. निशिन स्टील कं. लि. (उत्पादक)**

**31. निष्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन (उत्पादक)**

**32. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक (व्यापारी)**

**33. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन (व्यापारी)**

**34. निष्पोन स्टील एंड सुमिनकिन बुसान कार्पोरेशन (व्यापारी)**

**35. मित्सुई एंड कं. लि. (व्यापारी)**

**36. जेएफई शोजी ट्रेड कापोरेशन (व्यापारी)**

**37. मैटल वन कार्पोरेशन (व्यापारी)**

**IV. चीन जन. गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जॉच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का खंडन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया है। उक्तेन से उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा किया है।**

छ. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित

ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

1. अल्स्टोम इंडिया लि.
2. आर्सेलर नील टेलर्ड ब्लेंक प्रा.लि.
3. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि.
4. भिलाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लि.
5. सी. आर. आई. पम्प्स प्रा. लि.
6. कैटरपिलर इंडिया प्रा. लि.
7. डेनिस प्लास्ट लि.
8. डेस्मी इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
9. एक्सकोटर्स लि.
10. एक्सेडी इंडिया लिमिटेड
11. फाइन फोर्ज लिमिटेड
12. फ्लेंक्ट (इंडिया) लि.
13. जेमेसा विंड टर्बाइन्स पी. लि.
14. गणपति एंटरप्राइजेज
15. हिंदुस्तान शिपयार्ड लि.
16. हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कं. लि.
17. आइडल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड
18. आईएफबी आटोमटिव प्रा. लि.
19. जेबीएम इंडस्ट्रीज लि.
20. जेसीबी इंडिया लि.
21. कलिंग फिक्सर लि.
22. कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लि.
23. लारसेन एंड टुब्रो लिमिटेड
24. लायड्स स्टील इंडस्ट्रीज लि.
25. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
26. पोस्को इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा.लि.
27. रवि स्टील कं.

28. सुपीरियर स्टील इंडस्ट्रीज

29. ट्रांटर इंडिया प्रा.लि.

30. टीआरएफ लि.

ज. संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तर के प्रपत्र में उत्तर दिया है या जाँच की शुरूआत के संबंध में टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं:

1. टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्रा. लि.
2. सुगवु हाइटैक इंडिया लिमिटेड
3. पीएचए इंडिया (प्रा.) लि.
4. टी आई मैटल फोर्मिंग
5. पियुंग हवा इंडिया प्रा. लि.
6. हुंडई मोटर्स इंडिया लि.
7. हवासिन ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
8. सुगवु स्टैंपिंग प्रा. लि..
9. मियोंग शिन इंडिया ऑटोमोटिव प्रा. लि..
10. वाईएसआई ऑटोमोटिव प्रा. लि.
11. क्वांग जिन इंडिया ऑटो सिस्टम्स प्रा. लि.
12. डाइमोस लियर ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
13. निष्पोन स्टील एंड सुमकिन पाइप इंडिया प्रा. लि
14. राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेन्टर प्रा. लि.
15. टी टी स्टील सर्विस इंडिया प्रा. लि.
16. बाओस्टील इंडिया कंपनी प्रा. लि.
17. हुंडई स्टील इंडिया लिमिटेड
18. पोस्को इलैक्ट्रिकल स्टील इंडिया
19. पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्रा. लि.
20. बाओस्टील कंपनी प्रा.
21. पोस्को आइडास, पोस्को आसपीसी, पीसी पोस्को आपीपीसी

इसके अलावा निम्नलिखित पक्षों ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के संबंध में अनुरोध/टिप्पणियों प्रस्तुत की हैं।

1. फेडरेशन आफ इंडस्ट्रीज आफ इंडिया
2. जीपीटी स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड
3. कोर्समा
4. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स
5. बाओशन आयरन एंड स्टील कंलि., बाओस्टील कंपनी इंडिया प्रा. लि., बाओस्टील सिंगापुर प्रा. लि
6. मेट्रिक्स ग्रुप
7. एंबेसी ऑफ यूक्रेन
8. द जापान आयरन एंड स्टील फैडरेशन

प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच हेतु रखी गई सार्वजनिक फाईल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया गया। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर वर्तमान जांच परिणाम में ध्यान दिया गया है।

गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।

आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षों से आवश्यक समझी गई सीमा तक और सूचना मांगी गई थी।

जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्ष ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है या जांच में काफी वाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणामों को रिकार्ड किया है।

**घरेलू उद्योग द्वारा सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत (जिसे आगे एनआईपी कहा गया है) का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार किया जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।**

इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तु का आयात विभिन्न ग्रेडों/आकारों/आयामों में किया जा रहा है, आवेदकों ने पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की गणना के लिए पीसीएन से पीसीएन की तुलना करने के लिए उत्पाद नियंत्रण सं. (पीसीएन) का भी प्रस्ताव किया है। तथापि प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए प्राधिकारी ने पीसीएन से पीसीएन का तुलना को नहीं अपनाया है।

आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना जहां लागू हो, पर वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है।

यह जांच 1 जुलाई, 2015 से प्रारंभ करके 31 दिसम्बर, 2015 (6 महीने) (जिसे आगे 'जांचअवधि' या पीओआईभी कहा गया है) तक की गई है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, अप्रैल 2015 से दिसंबर 2015 और जांच की अवधि को शामिल किया गया।

याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस से प्राप्त सौदावार आयात आकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन का

आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है। तथापि, जॉच की शुरूआत के बाद वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जॉच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के अयातों के सौदावार ब्योरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। प्रारंभिक जॉच परिणाम में प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों पर भरोसा किया है।

जॉच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों और सूचना पर साध्यों से समर्थित होने और वर्तमान जॉच से संगत होने पर विचार किया गया और प्रारंभिक जॉच परिणाम पर प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से ध्यान दिया गया है।

सीमाशुल्क आकड़ों के अनुसार पीओआई के लिए अमरीकी डालर से भारतीय रूपये में परिवर्तन की विनिमय दर को 65.93 भारतीय रूपये माना गया है।

इस अधिसूचना में \*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का घोतक है।

#### **ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “आयरन आथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज़ फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों”।

विचाराधीन उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज़ फ्लैट स्टील उत्पाद, क्वायल में हों अथवा क्वायल में न हों, शामिल हैं जिनमें स्लिट क्वायल अथवा शीट्स, ब्लैंक्स शामिल हैं, वे चाहे एनील्ड अथवा बॉक्स एनील्ड में हों अथवा बैच एनील्ड में हों अथवा निरंतर एनील्ड हों अथवा अन्य किसी एनीलिंग प्रक्रिया में हों अथवा पूर्णतः सख्त अथवा आंशिक रूप से सख्त हों। संबंधित उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/कोल्ड रिड्यूज़ फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल हैं जो प्राइम और नॉन प्राइम गुणवत्ता के अनुरूप हैं, वे चाहे 4 गुना ऊंची रिवर्सिवल मिल से रोल्ड हों अथवा न हों, 6 गुना ऊंची रिवर्सिवल मिल से रोल्ड हों, सेंडजीमिर मिल, 20 गुना ऊंची कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स एंड टेंडम कोल्ड रोलिंग मिल्स (पी एल टी सी एम), सतत एनीलिंग लाइन (सी ए एल) अथवा अन्य किसी कोल्ड रोलिंग/कोल्ड रिड्यूसिंग प्रक्रिया से अनहील्ड हों अथवा न हों। ये उत्पाद किसी भी किस्म, मानक, विशेष और ग्रेड के तेल के बिना सप्लाई/आयल्ड किए जा सकते हैं। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता वाले स्टील को शामिल करके उनके अनुरूप हो सकते हैं परंतु पूर्णतः सख्त, आंशिक रूप से सख्त, वाणिज्यिक गुणवत्ता, ड्राइग, डी ड्राइंग, एक्स्ट्राडीप ड्राइंग, इंटर स्टीटियल प्री स्टील, हाई स्टेंथ लो एलाय स्टील, एडवांस्ड हाई स्टेंथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रैथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलाय स्टील, एडवास्ट हाई स्ट्रैथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रैथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलायड स्टील, ट्रिप स्टील (ट्रांसफोरमेशन इन्ड्यूज़ एलायसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट्स (टीलएमबीपी) और अन्य कई गुणवत्ताओं तक सीमित नहीं हैं। इन स्टीलों का उत्पादन और आपूर्ति स्किन पास/टेम्पर रोलिंग सहित अथवा उसके बिना किया जा सकता है, भले ही वे एल्यूमिनियम किल्ड/नॉन एजीइंग गुणवत्ता के हों अथवा न हों तथा उनमें बोरोन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वेनाडियम अथवा भार की दृष्टि से किसी स्तर का उपयुक्त कोई अन्य घटक हो या न हो। इन स्टीलों का अनुप्रयोग विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैल सकता है परंतु वे आटोमोटिव इंडस्ट्री उद्योग, ट्रेक्टरों, साइकिलों, उपकरणों, फर्नीचर, इलेक्ट्रिकल पैनलों, पैकेजिंग, ड्रम, बैरलों, सामान्य इंजीनियरी, कोटिंग के लिए सब्स्ट्रेट, कलर कोटिंग गेल्वेनाइजिंग, मैटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट इत्यादि तथा अन्य कई अनुप्रयोगों तक सीमित नहीं है।

निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है :

(क) स्टेनलैस स्टील ।

(ख) हाई स्पीड स्टील अर्थात् अलाय स्टील, अन्य घटकों सहित अथवा उनके बिना, तीन घटकों मोलिवडेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) में से कम से कम दो, जिनमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के भार, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक का कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत का क्रोमियम पदार्थ संयुक्त हों।

(ग) सिलिकन इलैक्ट्रिकल स्टील जो ग्रेन ओरिएंटेड और नॉन ग्रेन ओरिएंटेड स्टील्स के अनुरूप हो अर्थात् भारत युक्त एलाय स्टील, कम से कम 0.6 प्रतिशत परंतु सिलिकन के 6 प्रतिशत से अधिक न हो और कार्बन के 0.08 प्रतिशत से अधिक न हो। इस स्टील में भार की दृष्टि से 1 प्रतिशत एल्यूमिनियम से अधिक भी नहीं हो सकता परंतु उत्पादन में ऐसा कोई घटक न हो जिससे स्टील में अन्य एलाय स्टील की विशेषताएं आ जाएं।

6. विचाराधीन उत्पाद का उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों और क्षेत्रों यथा आटोमोटिव, उपकरणों, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनलों, सामान्य इंजीनियरी, पूँजीगत सामानों, निर्माण, ड्रम एवं बैरलों सहित पैकेजिंग, गेल्वेनाइजिंग, कलर कोटिंग, टिन प्लेट्स आदि सहित कोटिंग और प्लेटिंग नहीं किया जाता है।

7. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 7209, 7211, 7225 और 7226 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं हैं।

#### निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध

8. पीयूसी से संबंधित मुद्दों के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. उत्पाद का दायर काफी व्यापक एवं अस्पष्ट है। उत्पाद भिन्न प्रकार के हैं और इन्हें समान वस्तु के रूप में एक साथ मिलाया नहीं जा सकता। विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत वर्गीकृत किए गए उत्पाद वास्तव में अलग अलग हैं और इन्हें एक साथ नहीं मिलाया जा सकता।
- ख. जापान से भारत में आयातित संबद्ध क्षुतुएं विभिन्न स्टील निर्माता कंपनियों में खपत की जा रही हैं जिनमें ऑटोमोटिव, इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रोनिक्स क्षेत्रों इत्यादि जैसे क्षेत्र शामिल हैं लेकिन यह केवल इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। भारत में प्राप्त नहीं किए जा रहे उत्पाद ग्रेड को उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए।
- ग. घरेलू उद्योग ने पहले ही कच्ची सामग्री अर्थात् होट रोल्ड स्टील के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क की मांग की है। घरेलू उद्योग होट रोल्ड स्टील उत्पादों पर भी पाटन रोधी शुल्क की मांग कर रहा है। यह समझ से परे है कि क्यों घरेलू उद्योग भी कोल्ड रोल्ड स्टील के आयातों से संरक्षण की मांग कर रहा है जबकि कच्ची सामग्री के आयात से संरक्षण मौजूद है। यह आकलन कठिन है कि क्षति कैसे हो रही है जबकि कच्ची सामग्री के आयात से संरक्षण मौजूद है।
- घ. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के साथ गुणवत्ता का मामला है। घरेलू उद्योग संबंधित सभी प्रकार के आकार के संबंधित उत्पादों का उत्पादन नहीं कर सकता। घरेलू उद्योग विभिन्न ग्रेड के संबंध में ग्राहक का अनुमोदन प्राप्त करने में असमर्थ रहा है।
- ड. उप शीर्ष 7225 और 7208 के तहत वर्गीकृत उत्पाद समान नहीं हैं और अधिक संख्या में तथा भिन्न प्रकार के हैं और इसीलिए इन्हें एक एकल विचाराधीन उत्पाद का निर्धारण करने के लिए एक साथ नहीं मिलाया जा सकता।
- च. अनेक प्रकार के ग्रेड हैं जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा सकता और इन्हें उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाएगा।
- छ. जीपीटी स्टील इंडस्ट्रीज का यह कहना है कि केवल टिन मिल ब्लैक प्लेट का उपयोग इलैक्ट्रोलिटिक टिन प्लेटों के लिए एक इनपुट के रूप में किया जाता है। भारत में केवल तीन ही इकाइयां हैं जो जीपीटी सहित टिन प्लेटों का निर्माण कर रही हैं। अन्य दो उत्पादक टीसीआईएल और बल्लभ अपनी स्वयं की खपत के लिए ही भारत में टीएमबीपी कॉइल के कोई व्यापारी उत्पादक नहीं हैं और इसीलिए जीपीटी इंडस्ट्रीज को जरूरत के अनुसार उसकी आयात करना पड़ता है और वह भारत में टीएमबीपी का एकमात्र आयातक है। अतः जीपीटी द्वारा टीएमबीपी के कारण किसी भी भारतीय उत्पादक को कोई क्षति होने का कोई उदाहरण अथवा प्रश्न नहीं है।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

9. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गये अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- ज. घरेलू उद्योग का यह कहना है कि वे विचाराधीन उत्पाद के सभी ग्रेड/प्रकार का निर्माण करने में सक्षम है।
- झ. हितबद्ध पक्षकार अपने दावों को साक्ष्य के साथ प्रमाणित करने में विफल रहे हैं। इसके अतिरिक्त कई निर्यातिकों ने घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाया है लेकिन उनका ऐसे मामले उठाने का कोई अर्थ नहीं है। ऐसे मामले तभी विश्वसनीय होते हैं यदि भारत में प्रयोक्ता उन्हें उठाएं।
- ज. भारत में कई प्रयोक्ताओं ने, विशेषकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र में, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की है। ये सराहना पत्र और सैंपल इनवॉयस विभिन्न ग्रेड की आपूर्ति को प्रदर्शित कर रहे हैं।
- ट. मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड सहित कई हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सभी आयातित ग्रेड, जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जा रहे हैं, उन्हें उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए। यद्यपि ऐसे पक्षकारों ने अपने अनुरोधों के साथ एक सूची संलग्न की है लेकिन उसे गोपनीय माना गया है। जब तक कि ऐसे पक्षकार अगोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों को ग्रेडों की सूची उपलब्ध नहीं करा देते तब तक घरेलू उद्योग इस स्थिति में नहीं होगा कि ऐसे ग्रेडों पर टिप्पणी कर सके जिन्हें वे बाहर करना चाहते हैं। इसे देखते हुए ऐसे पक्षकारों द्वारा निष्कासन के लिए किया गया अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह बात दोहराई जाती है कि घरेलू उद्योग भारत में घरेलू प्रयोक्ताओं द्वारा यथा अपेक्षित सभी ग्रेड और विनिर्देशों वाले उत्पादों का निर्माण करने के लिए सक्षम है।
- ठ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सभी निष्कासन संबंधी अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि घरेलू उद्योग न केवल उसका निर्माण कर रहा है बल्कि उसने भारत में प्रयोक्ताओं को नियमित रूप से आपूर्ति भी की है। प्राधिकारी को इस संबंध में प्रयोक्ताओं से इनवॉयस, मिल जांच प्रमाण पत्रों और सराहना पत्रों के रूप में साक्ष्य प्रदान किए गए हैं। इस बात का कोई भी संदेह नहीं है कि घरेलू उद्योग ऐसे सभी ग्रेड का निर्माण करने में पूरी तरह से सक्षम है जिनके लिए हितबद्ध पक्षकारों ने निष्कासन करने का अनुरोध किया है।
- ड. भारतीय उत्पादक टिन मिल ब्लैक प्लेट निर्माण कर रहे हैं।

**प्राधिकारी द्वारा जांच**

10. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मामलों के संबंध में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच की गई है और यह पाया गया है कि:
  - क. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों में इन तीन बातों पर प्रमुख रूप से बल दिया गया है, (i) घरेलू उद्योग उत्पादन के दायरे में शामिल कई ग्रेड का निर्माण नहीं करता, (ii) घरेलू उद्योग कतिपय ग्रेड का निर्माण करता है लेकिन गुणवत्ता उचित नहीं होती है, और (iii) कतिपय ग्रेड के लिए, घरेलू उद्योग के पास ग्राहक का अनुमोदन नहीं होता है। घरेलू उद्योग ने इन हितबद्ध पक्षकारों के दावों के संबंध में एक विस्तृत उत्तर दाखिल किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दाखिल किए गए उत्तरों की जांच की है और यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास ऐसे सभी ग्रेड के लिए निर्माण की क्षमता है, जिन्हें निष्कासित करने के लिए मांग की गई है। प्राधिकारी ने भी सत्यापन दौरे के दौरान यह पाया है कि घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेड का निर्माण कर रहा है, जिनके लिए उसे आदेश मिले हैं और उन्होंने भारत में उपयोगकर्ताओं को आपूर्ति भी की है। अतः कतिपय ग्रेड को निष्कासित करने के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता।
  - ख. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उत्पाद का दायरा काफी व्यापक, अस्पष्ट और विषम है और सभी उत्पादों को एक ही विचाराधीन उत्पाद में समेकित नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा बहुत ही सीमित है। हितबद्ध पक्षकार विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा

की जांच करके ऐसे ग्रेड/विनिर्देशनों पर टिप्पणी करते हैं जो उत्पाद के दायरे का भाग नहीं होने चाहिए। तथापि, कोई भी हितबद्ध पक्षकार विचाराधीन उत्पाद पर विश्वसनीय साक्ष्य के साथ उनके दावे को प्रमाणित नहीं कर सका है। इसके अलावा कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह नहीं बता सका कि उपरोक्त तरीके से विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में कोई कानूनी बाधा क्या है।

- ग. इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियम 2(घ) में "समान वस्तु को एक ऐसी वस्तु के रूप में परिभाषित किया गया है, जो भारत में पाठित किए जाने के लिए की जा रही जांच के अधीन वस्तु के समान न हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में, कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान हो समान न हो लेकिन जांच की जा रही वस्तु से काफी मिलती-जुलती विशेषताओं वाली हो। किसी वस्तु के समान होने का निर्धारण करते समय, प्राधिकारी प्रयुक्त किए गए कञ्जे माल, उत्पादन की प्रक्रिया, उसके अंतिम उपयोग तकनीकी और वाणिज्यिक विकल्प योग्य होने आदि को देखते हैं।"
- घ. केवल इस कारण से कि कच्ची सामग्री होट रोल्ड स्टील के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाया गया है और होट रोल्ड स्टील के उत्पादों पर एक पाटनरोधी जांच भी चल रही है, यह अर्थ नहीं होता कि घरेलू उद्योग पर कोल्ड रोल्ड स्टील उत्पादों के संबंध में एक पाटनरोधी आवेदन दाखिल करने पर प्रतिबंध है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसे दावे कानूनन तर्कसंगत नहीं हैं।
- ङ. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादक टिन मिल ब्लैक प्लेट निर्माण कर रहे हैं।
- च. कतिपय ग्रेड के स्टील उत्पादों को उत्पाद के दायरे से निष्कासित करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने रसायन व भौतिक मापदंडों के साथ ग्रेड को विनिर्दिष्ट नहीं किया है, जिसके लिए कि वे छूट का दावा करना चाहते हैं। अतः प्राथमिक जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए विचाराधीन उत्पाद से कतिपय ग्रेड का निष्कासन करने के दावों को अनंतिम रूप से अस्वीकार किया जाता है।
- छ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विचाराधीन उत्पाद व्यापक और अस्पष्ट है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को, संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग के उत्पादन व आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए उपयुक्त रूप से परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने उत्पाद के दायरे पर पहुँचने से पूर्व सभी पक्षकारों के तर्कों की पूरी तरह से जांच की है।
- ज. नियमावली के नियम 6(7) और नियम 7 के संदर्भ में प्राधिकारी एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को प्रदान करने के लिए बाध्य है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार अनुरोध और साक्ष्य के संबंध में गोपनीयता का दावा करता है कि हितबद्ध पक्षकार नियम 7 के तहत इस अनुरोध और साक्ष्य को अगोपनीय फॉर्मेट में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य हैं, लेकिन यह अगोपनीय अनुरोध और साक्ष्य सार्थक होना चाहिए ताकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणी करने दिया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मारुति सुजुकी इंडिया लि. सहित कई हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद के दायरे से कई ग्रेड को निष्कासित करने का अनुरोध किया है। लेकिन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसी निष्कासन सूची की गोपनीयता का दावा किया गया है। चूंकि प्राधिकारी एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकारी है, इसलिए उसने ऐसे पक्षकारों के अगोपनीय अनुरोध घरेलू उद्योग को उपलब्ध करा दिए हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे हितबद्ध पक्षकारों ने नियम 7 का पालन नहीं किया है क्योंकि उनके अगोपनीय अनुरोध पर्याप्त रूप से सार्थक नहीं हैं जिससे कि घरेलू उद्योग को उसमें अनुरोध किए गए अनुसार निष्कासन पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। अतः इस अवस्था में प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से ऐसे ग्रेडों को उत्पाद के दायरे से बाहर न करने का निर्णय लिया है।

झ. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि: "समान वस्तु" से तात्पर्य ऐसी वस्तु से है, जो भारत में पाठित किए जाने के लिए की जा रही जांच के अधीन वस्तु के समान अथवा एक जैसी है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि पूरी तरह से समान तो नहीं है, लेकिन जांच की जा रही वस्तु से काफी मिलती-जुलती विशेषताओं वाली है। उपलब्ध सूचना के आधार पर और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह पाया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों ही भौतिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रियाओं, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य हैं। उपभोक्ता दोनों को ही एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाते हैं। प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह पाया है कि वे आवेदकों द्वारा निर्मित उत्पाद संबद्ध देशों से भारत में आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

#### **ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार**

11. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाठित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"

12. मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड और मैसर्स एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड द्वारा आवेदन दाखिल किया गया है। उपरोक्त तीन उत्पादकों के उत्पादन में कुल घरेलू उद्योग का एक बड़ा हिस्सा शामिल है और वह भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है। आवेदन का घरेलू उत्पादक भूषण स्टील लिमिटेड द्वारा भी समर्थन किया गया है।

13. वर्तमान मामले में याचिकाकर्ताओं के घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तु का पीओआई में संबद्ध देश से आयात किए हैं। प्राधिकारी ने संज्ञान में यह लाया गया है कि घरेलू उद्योग ने अल्प मात्रा में आयात किए हैं। आयात की मात्रा भारत में इस विचाराधीन उत्पाद के सकल आयात, घरेलू उद्योग के उत्पादन और भारतीय उत्पादन तथा भारत में इस विचाराधीन उत्पाद की खपत पर विचार करते हुए बहुत कम है।

14. अतः प्राधिकारी ने यह पाया कि आवेदकों का भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के बड़े हिस्से पर कब्जा है और इस जांच के प्रयोजन से आवेदक नियम 5(3) के संदर्भ में स्थायी जरूरतों को पूरा करता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग है।

#### **घ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मामले**

14. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, वे इस प्रकार हैं:

क. याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में उल्लिखित मांग संबंधी आंकड़ों को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया है और वे सही नहीं हैं। सेल की वेबसाइट से प्राप्त एक प्रैस विज़सि में यह स्पष्ट किया गया है कि वित्त वर्ष 2014-15 में मांग विगत वर्षों की तुलना में कम थी। इसके अलावा विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग एक प्राइवेट एजेंसी से संकलित आकड़ों के आधार पर है न कि संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) जैसे शासकीय स्रोतों से है।

ख. यह याचिका एक प्राइवेट एजेंसी से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है न कि जेपीसी जैसे अधिकृत आंकड़ों पर आधारित है। कच्चे आंकडे एक प्राइवेट वाणिज्यिक एजेंसी द्वारा संकलित किए गए हैं और इन्हें समृद्ध ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुसार तोड़ा मरोड़द्याजा सकता है। इसके बाद इन आंकड़ों पर याचिकाकर्ताओं द्वारा छेड़ब्लड की गई है और इसीलिए स्वतंत्र जांच के लिए इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ग. याचिका में विचाराधीन उत्पाद की कैप्टिव खपत के संबंध में सूचना शामिल नहीं है। ऐसी सूचना होने पर याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाए गए कोई भी आरोप अप्रमाणित माने जाएं और उन्हें कथित क्षति के एक प्रथम दृष्टया मामले के लिए पर्याप्त नहीं माना जाए। इन्वेन्ट्री, रोजगार, मजदूरी और विकास के संबंध में कोई भी सूचना प्रदान नहीं की गई है। भारतीय उद्योग के समग्र सकारात्मक दृष्टिकोण के आधार पर यह माना जा सकता है कि इन संकेतकों ने उचित निष्पादन किया है।

घ. याचिका में क्षमता उपयोग में कमी के संबंध में पर्याप्त सूचना शामिल नहीं है। शिकायत से यह स्पष्ट नहीं है कि याचिकाकर्ता किस विशेष उत्पाद मिश्रण के संबंध में कह रहा है।

इ. भारतीय उत्पादकों को पहले से ही 12.5% सीमा शुल्क का संरक्षण मिला हुआ है। एचआर कॉइल पर सीमा शुल्क लगाने के अलावा घरेलू उत्पादकों को स्टील और स्टील उत्पादों के गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के माध्यम से आयातों पर तकनीकी अवरोधों से संरक्षण मिला हुआ है। विचाराधीन उत्पादों के लिए प्रयुक्त कच्चे माल पर रक्षोपाय शुल्क लगाया गया है और याचिकाकर्ता वर्तमान में मिश्रित धातु अथवा गैर मिश्रित धातु स्टील के होट रोल्ड फ्लैट उत्पादों पर पाठन रोधी उपायों की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा न्यूनतम नियाति कीमत के उपाय भी लागू हैं। इससे याचिकाकर्ता की बाजार में स्वयं की अक्षमता का पता चलता है। याचिकाकर्ता ऐसे संरक्षण के उपायों की मांग करके घरेलू बाजार पर एकाधिकार रखना चाहते हैं।

झ. एमआईपी लगाने, आयात शुल्कों में वृद्धि होने और रक्षोपाय शुल्क लगाने के बाद स्टील उद्योग के संरक्षण की आगे कोई जरूरत नहीं है। अब स्टील की ये कीमतें बढ़ रही हैं और प्रमुख घरेलू स्टील उत्पादक जैसे जेएसडब्ल्यू स्टील, भूषण, एस्सार, जेएसपीएल, टाटा अच्छा कर रहे हैं।

ञ. पाठनरोधी करार के अनुच्छेद 3.3. के तहत यूक्रेन ने प्राधिकारी से अन्य देशों से अलग से विचाराधीन उत्पाद की यूक्रेन के आयातों के प्रभाव पर विचार करने के लिए कहा है।

ज. याचिकाकर्ता ऐसा कोई साध्य उपलब्ध नहीं कराता जिससे कि यह प्रमाणित होता हो कि घरेलू उद्योग को क्षति यूक्रेन से आयातों के कारण थी। याचिका में केवल यह आरोप किया गया है कि नकारात्मक निष्पादन पाठित आयातों के कारण है।

झ. घरेलू उद्योग ने सार्थक टिप्पणियों के साथ हितबद्ध पक्षकारों को वंचित करते हुए अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है। उत्पादन की मात्रा, घरेलू बिक्री की मात्रा, इन्वेन्ट्री की मात्रा, प्रति इकाई बिक्री कीमत सूची में, प्रति इकाई लाभ सूची में, आरओसीई प्रतिशतता में, रोजगार, प्रोफार्मा IV वी इत्यादि जैसी सूचना को गोपनीयता के नाम पर रोक लिया गया है।

ञ. याचिका का अगोपनीय पाठ भारतीय पाठनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 7 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता। याचिकाकर्ताओं ने अनेक तत्वों को सीमित कर दिया है जो कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों की स्थिति को बचाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ट. भारतीय स्टील बाजार वास्तव में अल्पाधिकार में है क्योंकि याचिकाकर्ता बाजार के 74% हिस्से पर विचार करता है। पाठनरोधी शुल्क लगाने से प्रतिस्पर्धा की स्थिति खराब होगी जो भारतीय अर्थव्यवस्था और ग्राहकों के हित के लिए खराब है। अधिक मात्रा में व्यापार सुरक्षा उपाय करना लोक हित में नहीं है।

16. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया हैं, वे इस प्रकार हैं:

- क. अधिनियम की धारा 9 क(3) उत्पाद के पाटन के इतिहास के संदर्भ में है। याचिकाकर्ता प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क पूर्वव्यापी प्रभाव से लगाने की सिफारिश करें क्योंकि पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने की शर्त पूरी है।
- ख. निर्यातिकों को अच्छी तरह से इस बात की जानकारी है कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग को अति हो रही है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतें काफी कम हुई हैं, जैसा कि संबंधित देशों के लिए लदान मूल्य से स्पष्ट है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, उनकी जांच की गई है और यह पाया गया है कि:

- क. हितबद्ध पक्षकारोंके अनुरोध के संबंध में मांग से संबंधित आंकड़े अलग किए गए हैं और जेपीसी जैसे शासकीय स्रोतों पर आधारित नहीं हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने उत्पादन के आंकड़ों की आवश्यकतानुसार गणना करने के लिए जेपीसी के आंकड़ों पर भरोसा किया है और उनका याचिका के अगोपनीय भाग में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। आयात संबंधी सूचना के लिए याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है जोकिएक प्राइवेट एजेंसी है। तथापि, प्रारंभिक जांच परणिम डी जी सी आई एंड एस पर आधारित है जिसे हितबद्ध पक्षकारों की चिंताओं का समाधान हो पाया है।
- ख. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि कैप्टिव खपत, क्षमता उपयोग, मालसूची, रोजगार इत्यादि के संबंध में पर्याप्त सूचना का घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका में उल्लेख नहीं किया गया है और इसीलिए यह याचिका अप्रमाणित है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिका को प्रमाणित करने के लिए अपेक्षित सभी संगत सूचना याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदान कर दी गई है।
- ग. इच्छुक पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि भारतीय घरेलू उद्योग अति संरक्षण की मांग कर रहा है और यह कि वह पहले ही रक्षोपाय शुल्क, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और एम आई पी जैसे विभिन्न संरक्षणों का लाभ उठा रहा है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

  - i. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई रक्षोपाय शुल्क नहीं लगाया गया है। यह तर्क कि रक्षोपाय शुल्क हॉट रोल्ड स्टील उत्पादों पर लगाया गया है, जो विचाराधीन उत्पादों के लिए इनपुट के रूप में इस्तेमाल किया गया है, असंगत है।
  - ii. एमआईपी और पाटनरोधी शुल्क के विभिन्न उद्देश्य हैं। एमआईपी की मौजूदगी से प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रतिबंधित नहीं होते यदि पाटनरोधी जांच के मानदंडों की पूर्ति नहीं हो पाती है। इसके अलावा, एमआईपी की मौजूदगी का अर्थ यह नहीं है कि पाटन नहीं हो रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि एमआईपी 6 माह की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, लागू है। इसका तात्पर्य यह है कि एमआईपी को 6 माह से पहले किसी भी समय हटाया जा सकता है। एमआईपी समाप्त होने के बाद घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से किसी भी संरक्षण के बिना रहना पड़ेगा।
  - iii. गुणवत्ता नियंत्रण आदेश की मौजूदगी यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कतिपय गुणवत्ता मापदंडों की पूर्ति हुई है। वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग पाटित आयातों से संरक्षण की मांग कर रहा है। गुणवत्ता नियंत्रण

आदेश की मौजूदगी से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि कोई पाटन नहीं हो रहा है और घरेलू उद्योग को इससे कोई क्षति नहीं हो रही है।

घ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना कि गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी, संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने आवश्यकतानुसार गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना के अगोपनीय पाठ को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ को उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कोई भी सूचना गोपनीय नहीं मानी जा सकती।

ड. हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को क्षति होगी और इसे अंतिम उपभोक्ता के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य ही अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं को दूर करना है और घरेलू उद्योगों पर इसके क्षतिकारी प्रभावों को दूर करना है ताकि वो मुकाबले में रहे। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयात न तो रूकते हैं और न ही सीमित रहते हैं।

क. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि 6 माह से अधिक होनी चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी प्रक्रियाओं संबंधी समिति की सिफारिश (डब्ल्यूटीओ दस्तावेज संख्या जी/एडीपी/6 दिनांक 16 मई, 2000) के अनुसार;

"..... पाटन जांच के लिए डाटा संकलन की अवधि सामान्यतः बारह माह होनी चाहिए और किसी भी रूप में जांच की शुरूआत की तारीख से व्यावहारिक दृष्टि से निकटतम छः माह से कम की नहीं होनी चाहिए।"

अतः उपरोक्त सिफारिश को देखते हुए 6 माह की अवधि को जांच की अवधि के रूप में लिया जा सकता है। प्राधिकारी ने अन्य जांचों में भी 6 माह की जांच की अवधि को लिया है।

ख. जहां तक भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने के अनुरोध का संबंध है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(3) में प्रावधान इस प्रकार है:

जांच के अधीन पाटित वस्तु के संबंध में यदि केंद्र सरकार का यह अभियान है कि:

- (i) पाटन काफी पहले से किया जा रहा है, जिससे क्षति हुई है अथवा कि आयातको यह ज्ञात था अथवा ज्ञात होना चाहिए था कि नियर्यातक पाटन कर रहा है और यह कि ऐसे पाटन से क्षति पहुँचेगी, और
- (ii) अपेक्षाकृत लघु अवधि में आयातित किसी वस्तु के भारी मात्रा में पाटन से क्षति हुई है, जिससे पाटित आयातित वस्तु के समय और मात्रा एवं अन्य परिस्थितियों के महेनजर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क का सुधारात्मक प्रभाव कम होने की संभावना है, तो केंद्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से उप-धारा (2) के अंतर्गत भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से पहले की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगा सकती है परंतु इस उप-खंड के अंतर्गत शुल्क अधिरोपण की तारीख अधिसूचना की तारीख से नब्बे दिन पूर्व तक ही होगी और इस समय लागू किसी कानून में किसी बात के होने हुए भी ऐसे शुल्क का भुगतान उस दर एवं उस तारीख से किया जाएगा, जिसे अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया गया हो।

a. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम की अवस्था में पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने से संबंधित मामले की जांच करेगी।

### **पाटन मार्जिन**

#### **बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन**

##### **1) सामान्य मूल्य**

18. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यह कि उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

#### **गैर-व्यापार अर्थव्यवस्था वाले देशों के संबंध में प्रावधानः**

19. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I में कहा गया है:

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं हैं, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि विक्रियों उप-पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कञ्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और थम, उत्पादन, विक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास अन्य बढ़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं:-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागूत होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

#### निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

20. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों और जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत समझा गया है, उनकी जांच की गई है, जो नीचे दिए गए हैं:

- यह अनुरोध किया जाता है कि यदि लाभकारी सौदे 20 प्रतशित से कम हैं तो सामान्य मूल्य उत्पादन की लागत और तर्कसंगत लाभ के आधार पर निरधारित की जानी चाहिए।
- मै. जापोरी झास्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स, यूक्रेन ने एम ई टी उत्तर दाखिल किया है और एम ई टी का दावा किया है।

#### घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

21. जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में प्रस्तुत किए गए विभिन्न अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, इस प्रकार हैं:

- घरेलू उद्योग ने संबंध देशों के घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की विक्री कीमत के साक्ष्य प्रदान किए हैं।
- इस बात पर विचार करने के लिए पर्यास कारण मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में उत्पादक संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं। ये उत्पादक विचाराधीन उत्पाद की विक्री उत्पादन की लागत से भी कम कीमतों पर कर रहे हैं अथवा घरेलू कीमतें भारत के लिए निर्यात की कीमत से काफी अधिक हैं।

ग. चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के बारे में संतुष्ट नहीं कर सका। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के किसी भी सदस्य देश ने संगत मानदंडों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है। भारत ने यूक्रेन से आयातकों को कभी भी एमईटी का दर्जा प्रदान नहीं किया।

घ. जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातिक नियमों के तहत विनिर्दिष्ट मानकों को पूरा नहीं करते निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना चाहिए।

ड. चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातिक के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

चीन जन. गण. और यूक्रेन के उत्पादक का गैर-बाजार अर्थव्यवस्था दावा

22. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में भारत और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अन्य सदस्य देशों द्वारा पाठनरोधी जांच में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन. गण. को नियमों के तहत निर्यातिक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा पूर्वानुमान का खंडन किए जाने के अध्यधीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है।

23. यथा-संशोधित पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8 के तहत, यदि उक्रेन और चीन जन. गण. से निर्यातिक पैरा 8 में उप-पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्यास साक्ष्य प्रदान करें और इसे प्रतिकूल सिद्ध करे तो एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पूर्वानुमान को खंडित किया जा सकता है। उक्रेन और चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं में सहयोगी निर्यातिकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथा-उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्यास साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या:

क. कद्दी सामग्रियों, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम सहित कीमतों और इनपुट, आउटपुट, विक्री तथा निवेश के संबंध में उक्रेन और चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में महत्वपूर्ण इनपुट की लागतें पर्यास रूप से बाजार के मूल्यों को दर्शाती हैं।

ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बढ़े खाते, वस्तु विनिमय बाजार और क्रहों की प्रतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में हुए महत्वपूर्ण बदलावों के अध्यधीन हैं।

ग. ऐसी फर्मों दिवालिएपन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं, जो कि फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी देते हैं।

घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार की दर पर किए गए हैं।

24. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी को उपरोक्त किसी भी मानदंड की जांच करने की आवश्यकता नहीं है और यह पाया है कि चीन जन. गण. से उत्पादक/निर्यातिक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत संचालित नहीं हो रहे हैं।

25. यूक्रेन के संबंध में केवल मै. जापोरिज्जास्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स ने एमईटी का उत्तर दाखिल किया है।

### च. सामान्य मूल्य का निर्धारण

मै. जापोरिज्ञास्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स (कंपनी), यूक्रेन के एमईटी दावों की जांच

26. कंपनी द्वारा यह नोट किया गया है कि यह एक ओपन ज्वाइंट स्टॉक कंपनी है 1 कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों में लासरटिको होल्डिंग्स लिलो (9.7603%) और एलएलसी "जापोरिज्ञास्टल-पीसी"(21.8277%) हैं। यह कंपनी पूर्ण रूप से निजी स्वामित्व वाली इकाई है। इसके अलावा, यह कंपनी निम्नलिखित संगत कंपनियों से कच्ची सामग्री की खरीद करती है :

- पीजेएससी «जापोरिज्ञाकोक»: कोक, कोक फाइन, मैटल स्क्रैप.
- मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए: कोल, कोक.
- एलएलसी "मेटिनवेस्ट होल्डिंग": आयरन और कंस्ट्रेट.
- पीजेएसई "जापोरिज्ञी आयरन और प्लांट": आयरन ओर।

27. इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ता निजी स्वामित्वाधीन हैं। यूक्रेन में कोई भी सार्वजनिक प्राधिकारी कीमतों/मात्राओं को निर्धारित करने में शामिल नहीं है। यह कंपनी अपने उपभोक्ताओं से सीधे मोल भाव करती है। ये कीमतें यूक्रेन में समीक्षा अथवा किसी भी सरकारी संगठन से मार्ग निर्देशन के अध्यधीन नहीं हैं। भारत में निर्यात विक्रियां और अन्य देशों में निर्यात विक्रियां कंपनी से संबंधित संस्थाओं द्वारा मोलभाव की जाती हैं। कोई भी अन्य बाहरी संगठन विक्री सौदों के किसी भी पहलू की समीक्षा अथवा अनुमोदन नहीं करता।

28. प्राधिकारी ने प्रतिवादी कंपनी द्वारा प्रदान की गई सूचना का संज्ञान लिया है जिसने कि एमईटी उत्तर दाखिल किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यथाउल्लिखित अवधारणाओं का खंडन करने की मांग की है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कच्ची सामग्रियों की खरीद और संबद्ध वस्तुओं की विक्रियों में शामिल कोई भी संगत कंपनी एमईटी उत्तर दाखिल नहीं कर पाई और अपने बाजार अर्थव्यवस्था दावे को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करने में विफल रही। कंपनी के स्वामित्वनामे और नियंत्रण, लागत और कीमतों पर इसके प्रभाव और कंपनी के कारोबारी निर्णयों, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन, भू-उपयोग अधिकारों के बारे में जांच लंबित रहते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि प्रतिवादी कंपनी को सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण के लिए इस अवस्था में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी लंबित प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि के प्रयोजन से इस अवस्था में उपरोक्त प्रतिवादी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते।

29. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करने के लिए उन्हें परामर्श देते हुए प्रश्नावली भेजी। निम्नलिखित पक्षकारों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं:

- कोरिया
  - कोवोट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
  - डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिलो (उत्पादक)
  - सेमसंग सी एंड टी कॉर्पोरेशन- (व्यापारी)
  - हुंडई स्टील कंपनी (उत्पादक)
  - पी एंड ए कॉर्पोरेशन (व्यापारी)

6. एलजी इंटरनेशन कॉर्पोरेशन . (व्यापारी)
7. हुंडई कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
8. पॉस्को डेवू कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
9. पॉस्को एशिया कंपनी लि0. (व्यापारी) (हांगकांग)
10. पॉस्को कोरिया (उत्पादक)
11. पॉस्को प्रोसेसिंग एंड सर्विस कंपनी लि. (व्यापारी)

## II. यूक्रेन

12. जापोरीजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स (उत्पादक)
13. मेटिनवेस्ट- एसएमसी एलएलपी
14. मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एसए (व्यापारी) (स्विटजरलैंड)

## III. चीन जन.गण.

15. जिनसा इंटरनेशन प्रा. लि. (व्यापारी) (सिंगापुर)
16. झांगजियागांग यांगत्ज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लि0, (उत्पादक)
17. जियांगशू सागांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लि0 (व्यापारी)
18. फ्यूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्री(व्यापारी) (हांगकांग)
19. लू किन (हांगकांग) कं.लि. (व्यापारी) (हांगकांग)
20. अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
21. अंगांग ग्रुप हांगकां कंपनी लिमिटेड (व्यापारी) (हांगकांग )
22. बाउसान आयरन एंड स्टील कंपनी लि0 (उत्पादक)
23. बाओस्टील सिंगापुर प्रा.लि. (व्यापारी) (सिंगापुर)

## IV. जापान

24. निशान ट्रेडिंग कंपनी लि. (व्यापारी)
25. सुमितोमो कॉर्पोरेशन (उत्पादक)
26. होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
27. ओहमी इंडस्ट्रीज(व्यापारी)
28. कानेमात्सु कॉर्पोरेशन (व्यापारी)

29. जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन (उत्पादक)
30. निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
31. निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मैटल कॉर्पोरेशन (उत्पादक)
32. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक. (व्यापारी)
33. टोयोटा त्सुसो कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
34. नि प्पो स्टील एंड सुमिकिन बुसान कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
35. मित्सुई एंड कंपनी लि. (व्यापारी)
36. जेएफई सौजी ट्रेड कॉर्पोरेशन(व्यापारी)
37. मैटल वन कॉर्पोरेशन (व्यापारी)

#### चीन जन. गण. और उकैन में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

30. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। अतः अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग द्वारा रिकार्ड में रखे गए तथ्यों को देखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए निर्मित सामान्य मूल्य को अपनाया है।
31. इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यूक्रेन से एममात्र सहयोगी उत्पादक नियमावली के अनुसार यूक्रेन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के तहत प्रचालन करते हुए नहीं पाया गया। ऐसी परिस्थिति में प्राधिकारी उपरोक्त यूक्रेनियन कंपनी को लागू करने की स्थिति में नहीं हैं और प्राधिकारी को नियमावली के अनुसार आगे कार्यवाही करनी होगी।

#### चीन जन. गण. और उकैन में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कार्यप्रणाली

32. उपरोक्त को देखते हुए चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किया जाना है। अनुबंध-I के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार, चीन जन. गण. और उकैन में सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू विक्री की कीमतों अथवा एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य अथवा ऐसे एक तीसरे देश से किसी अन्य देश को निर्यात कीमत, जिसमें भारत शामिल है, के आधार पर किया जाना है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपरोक्त विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी भी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करते हुए समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत शामिल है।
33. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी भी विश्वसनीय कीमत और लागत संबंधी व्याप्रे उपलब्ध न होने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करते हुए समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर चीन जन. गण. और उकैन के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण किया है। तदनुसार, चीन जन. गण. और उकैन से सभी निर्यातकों के लिए संबद्ध वस्तु के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण किया गया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

**कोरिया आरपी और जापान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

**सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए साधारण पद्धति**

34. प्राधिकारी द्वारा पहले यह निर्धारित किया गया था कि संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की तुलना करते समय नमूने के तौर पर थी।

35. उसके पश्चात् यह जाँच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 2 की शर्तों के अनुसार उनकी बिक्री सामान्य तौर पर थी। जहाँ उत्पादकों/निर्यातकों ने घरेलू बाजार में की गई बिक्री का लेन-देनवार व्यौरा उपलब्ध कराया है और प्राधिकारी द्वारा उसे स्वीकृत कर लिया गया है, उक्त सूचना घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय उन पर विश्वास किया गया है।

36. साधारण व्यापार जाँच करने के लिए संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत की जाँच उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के संदर्भ में की गई थी और यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार के स्वाभाविक तौर पर की गई थी अथवा नहीं, की घरेलू बिक्री कीमत से तुलना की गई थी। प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों जहाँ लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक है और उन मामलों में जहाँ लाभप्रद लेन-देन 80% से कम है, के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार में सभी लेन-देन को ध्यान में रखा है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर ही विचार किया गया है।

**कोरिया आरपी**

**सहयोगी निर्यातकों का सामान्य मूल्य**

**मैसर्स ह्यूँडे स्टील कंपनी (“ह्यूँडे स्टील”) कोरिया आरपी, (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य**

37. जाँच की अवधि के दौरान हुडई स्टील ने संबद्ध और असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में हितबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है जो इस प्रकार है :

संबद्ध पक्षकार	मात्रा(मी.ट.)	%	दाखिल उत्तर
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	नहीं
3. ***	***	***	नहीं
कुल संबद्ध घरेलू बिक्री	***	***	
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
कुल घरेलू बिक्री	***	100%	

38. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उपरोक्त किसी भी संगत पक्षकार ने प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है। तथापि, यह भी नोट किया जाता है कि \*\*\* प्रतिशत घरेलू बिक्रियां असंबद्ध पक्षकारों को जाँच की अवधि के दौरान की गई है। इसलिए प्राधिकारी अनंतिम रूप से घरेलू बिक्रियों को स्वीकार करते हैं वशर्ते कि उनकी पुष्टि हो और कोरिया आरपी में संगत कंपनियों से आगे सूचना प्राप्त हो। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए व्यापार जाँच स्वाभाविक तौर पर की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण

करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए साधारण व्यापार जाँच की। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। ह्यूंडै स्टील ने क्रृष्ण लागत, वेयरहाउस व्यय और अंतर्देशीय भाइया के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए प्राधिकारी द्वारा अनंतिम रूप से अनुमति दी गई है। तदनुसार, ह्यूंडै स्टील के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### मैसर्स पोस्को, कोरिया आरपी (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य

39. पीओआई के दौरान पोस्को ने नीचे दिए अनुसार संबद्ध और असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की:

विवरण	मात्रा (मी.ट.)	%	दाखिल उत्तर
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
संबद्ध पक्षकार			
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	हां
3. ***	***	***	नहीं
कुल संबद्ध पक्षकार	***	***	
सकल योग	***	100.00%	

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पोस्को को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी पक्षकार ने प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, यह भी नोट किया गया है कि पीओआई के दौरान गैर-संबद्ध पक्षकारों को 80% अधिक घरेलू बिक्री की गई है। इसलिए प्राधिकारी जाँच और आगे कोरिया आरपी में संबद्ध कंपनियों से सूचना के अध्यधीन अनंतिम रूप से घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सभी घरेलू बिक्री लेन-देन को ध्यान में रखा गया है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है।

41. पोस्को ने क्लूट, वेयरहाउस व्यय, अंतर्देशीय भाइया, लदाई प्रभार, पैकेजिंग लागत, वारंटी लागत, क्रृष्ण व्यय, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय और व्यापार के स्तर के कारण समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने वारंटी लागत, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय और व्यापार के स्तर के लिए समायोजनों को स्वीकार नहीं किया है। तदनुसार, पोस्को के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

**मै. डोगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी, (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य**

42. जांच की अवधि के दौरान मै. डोगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी (डी के आई) ने घरेलू बाजार में \*\*\* मी.ट. संबद्ध बाजार की विक्री की है जिनका इन्वायर्स मूल्य \*\*\* मिलयन के आर डब्ल्यू है। घरेलू बाजार में सभी विक्रियां जांच की अवधि के दौरान गैर-संबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध करा दी गई थी। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू विक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले विक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए व्यापार जाँच स्वाभाविक तौर पर की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू विक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए साधारण व्यापार जाँच की। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू विक्री को ही ध्यान में रखा गया है।

43. मैसर्स डीकेआई ने ऋण लागत तथा समुद्री माल भाड़े के कारण समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने समायोजनों को स्वीकार किया है। तदनुसार, डीकेआई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

**कोरिया आरपी के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आरपी के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। कोरिया आरपी में गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातक के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाठन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**जापान के लिए सामान्य मूल्य**

**मैसर्स जेएफई स्टील कारपोरेशन जापान (उत्पादक) ("जेएफई") के लिए सामान्य मूल्य**

45. पीओआई के दौरान जेएफई ने नीचे दिए अनुसार संबद्ध और गैर-संबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की विक्री की:

कंपनी	मात्रा मी.ट.	%	दाखिल उत्तर
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
संबद्ध पक्षकार			
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	नहीं
3. ***	***	***	नहीं
4. ***	***	***	हां
5. ***	***	***	नहीं

कुल संबद्ध पक्षकार	***	***	
सकल योग	***	100.00%	

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जेएफई शोजी ट्रेडिंग को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी पक्षकार ने अपने उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि कुल घरेलू बिक्री की दृष्टि से गैर-सहयोगी पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्री बहुत कम है। इसलिए प्राधिकारी जाँच और संबद्ध कंपनियों से आगे सूचना के अध्यधीन घरेलू बिक्री को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है।

47. सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए स्वाभाविक व्यापार जाँच की है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है।

48. जेएफई ने छूट, समुद्रीमाल भाड़ा और भंडारण लागत की समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने सभी समायोजनों को अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### पैसर्स निष्पाँन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन ("एनएसएसएमसी") के लिए सामान्य मूल्य

49. पीओआई के दौरान एनएसएसएमसी ने नीचे दिए अनुसार संबद्ध और गैर-संबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की:

संबद्ध	मात्रा (मी.ट.)	%	प्रतिक्रिया क्षेत्र
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	हां
3. ***	***	***	नहीं
4. ***	***	***	नहीं
5. ***	***	***	हां
6. ***	***	***	नहीं
7. ***	***	***	नहीं
कुल घरेलू बिक्रियां – संबद्ध पक्षकार	***	***	
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
सकल कुल घरेलू बिक्रियां	***	100.0%	

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निष्पाँन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन एण्ड निष्पाँन स्टील एण्ड सूमिकिन पाइप कं., लि. को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी संबद्ध पक्षकार ने उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि गैर-सहयोगी संबद्ध पक्षकारों को की गई घरेलू विक्री कुल घरेलू विक्री की दृष्टि से बहुत कम है। इसलिए प्राधिकारी जाँच तथा संबद्ध कंपनियों से आगे सूचना के अध्यधीन घरेलू विक्री को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू विक्री की मात्रा पर्याप्त है।

51. सामान्य मूल्य निर्धारित करते हुए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू विक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए स्वाभाविक व्यापार जाँच की है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू विक्री को ही ध्यान में रखा गया है।

52. एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजन, छूट, शीघ्र भुगतान, अंतर्देशीय भाड़ा, बीमा, क्रृष्ण लागत, भंडारण और संभाल के कारण समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए सभी समायोजनों को अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

### **निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड**

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड ("एनएससी") ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं जिसमें उसने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक होने का दावा किया है और यह सूचित किया है कि उसने जापान में व्यापारियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड ने परिशिष्ट-1/परिशिष्ट-2 में भारत को घरेलू विक्रियों/निर्यात के बारे में कोई व्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं और न ही कोई लागत संबंधी सूचना प्रस्तुत की है। निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड ने केवल परिशिष्ट-2 के और परिशिष्ट 2 ख ही प्रस्तुत किए हैं जोकि अत्यधिक पूर्ण नहीं हैं। इसलिए प्राधिकारी कोई संबद्ध सूचना उपलब्ध नहीं होने के कारण निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने में असमर्थ हैं और वे निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर को खारिज करते हैं। तदनुसार, निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाठन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है:

#### **जापान के गैर सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। जापान में गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाठन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **1) निर्यात कीमत**

#### **कोरिया आरपी के लिए निर्यात कीमत**

**मै. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया आर.पी. (उत्पादक) और मै. एलजी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन तथा मै. पी एंड ए कॉर्पोरेशन कोरिया आर पी (निर्यातक/व्यापारी) के लिए निर्यात मूल्य**

55. कोरिया आरपी में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक मैसर्स ह्यूडे स्टील कंपनी ने अपनी असंबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मै. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया आर.पी. (उत्पादक) और मै. एलजी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन तथा मै. पी एंड ए कॉर्पोरेशन कोरिया आर पी सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इन व्यापार कंपनियों ने पीओआई के दौरान ह्यूडे स्टील द्वारा

विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत में निर्यात किया। इन सभी निर्यातकों/व्यापारियों ने प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। भारत को निर्यातित पीयूसी की मात्रा नीचे दी गई है:

भारत को निर्यात	मात्रा (मी.ट.)	%	दाखिल उत्तर
हुंडई स्टील द्वारा संबद्ध आयातक हुंडई स्टील इंडिया प्रा0 लि0 को प्रत्यक्ष निर्यात	***	***	हां
मै. हुंडई कॉर्पोरेशन	***	***	हां
मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन	***	***	हां
मै. पी एंड ए कॉर्पोरेशन	***	***	हां
भारत को कुल निर्यात	***	100.00%	

56. हुंडई स्टील की सीधे निर्यात बिक्री और सहयोगी असंबद्ध ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से निर्यात बिक्री एफओबी/सीएफआर/सीआईएफ आधार पर है। हुंडई स्टील ने देश के अंदर मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, हेंडलिंग प्रभार, बीमा शुल्क, बैंक प्रभार तथा ऋण व्यय के संबंध में समायोजन का दावा किया है और इसके लिए अनंतिम रूप से अनुमति प्रदान कर दी गई है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हुंडई कॉर्पोरेशन ने भारत में इसकी संबद्ध कंपनी पीओएस-हुंडई को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात हानि पर अथवा एक ऐसी कीमत पर जिससे व्यापारियों के व्यय की वसूली नहीं होती, पर किया है। प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय और पीओएस-हुंडई के लाभ के संबंध में उपयुक्त समायोजन किया है। तदनुसार, अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण हुंडई स्टील के लिए किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

मै. पोस्को कोरिया आर.पी. (उत्पादक) तथा मै. हुंडई कॉर्पोरेशन, मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, मै. पॉस्को एशिया कंपनी लि0, मै. पोस्को प्रोसेसिंगएंड सर्विस कंपनी लि0 (पोस्को पी एंड एस), मै. पोस्को देवू, मै. सेमसंग सी एंड टी (निर्यातक/व्यापारी) के लिए निर्यातमूल्य

57. कोरिया आरपी में संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक मैसर्सी पोस्को ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मै. हुंडई कॉर्पोरेशन, मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, मै. पॉस्को एशिया कंपनी लि0, मै. पोस्को प्रोसेसिंगएंड सर्विस कंपनी लि0 (पोस्को पी एंड एस), मै. पोस्को देवू, मै. सेमसंग सी एंड टी के प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। पीओआई के दौरान पोस्को ने भारत में अपनी संबद्ध कंपनी पोस्को, महाराष्ट्र को सीधे भी निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त, पोस्को ने अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का भी निर्यात किया है। व्यौरा नीचे दिया गया है:

विवरण	मात्रा (मी.ट.)	%	दाखिल उत्तर
असंबद्ध पार्टियां	***	***	
संबद्ध पार्टियां			
पोसाको एशिया कं. लि.	***	***	हां
पोसाको देवू	***	***	हां

विवरण	मात्रा (मी.ट.)	%	दाखिल उत्तर
पोसाको-पी एंड एस	***	***	हां
पोसाको-ईएसआई	***	***	हां
पोसाको-महाराष्ट्र	***	***	हां
सकल योग	***	100.00%	

58. अपनी सहयोगी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए पोस्को की निर्यात विक्री एफओबी/सीएण्डएफ आधार पर है। पोस्को ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, लदाई भाड़ा, हैंडलिंग प्रभार, पैकिंग और ऋण व्यय के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए अनंतिम अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, पोस्को के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मै. डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक) के लिए पोस्को देवू और कोवून ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन कोरिया के माध्यम से निर्यात कीमत

59. जांच की अवधि के दौरान मै. डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक) ने \*\*\* मी.टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है

ट्रेडर्स	मात्रा (मी.ट.)	%	दाखिल उत्तर
1. पॉस्को देवू	***	***	हां
2. कोवॉन ट्रेडिंग	***	***	हां
भारत को सीधे निर्यात	***	***	
कुल	***	***	

60. प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीकेआई ने पोस्को देवू और कोवून ट्रेडिंग के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। पोस्को देवू द्वारा दाखिल उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पोस्को देवू ने अपनी संबद्ध कंपनी पोस्को आईसीपीसी को पूरी मात्रा में निर्यात किया है। जिसके लिए प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया गया। यह भी नोट किया जाता है कि भारत को असहयोगी संबद्ध/असंबद्ध पक्षकारों के माध्यम से किया गया निर्यात भारत में कुल निर्यतों के संदर्भ में अर्पणापूर्ण है। तथापि, प्राधिकारी अनंतिम रूप से भारत को विक्री किए गए निर्यतों को स्वीकार करते हैं बशर्ते कि उनका सत्यापन हो और संबद्ध कंपनियों से आगे सूचना प्राप्त हो। डीकेआई की निर्यात विक्रियां इसकी सहयोगी असंबद्ध ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से एफ ओबी/सी एंड एफ/सीआईएफ आधार पर हैं। डीकेआई ने कमीशन, स्वदेशी मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, हैंडलिंग प्रभार, बीमा, पैकिंग लागत और ऋण व्यय के संबंध में समायोजन का दावा किया है और इसे अनंतिम रूप से अनुमति प्रदान की गई थी। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पोस्को देवू ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात हानि पर अथवा एक ऐसी कीमत पर किया है जिससे व्यापारियों के व्यय की वसूली नहीं होती। अतः प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय और पोस्को आईसीपीसी के लाभ के संबंध में समुचित समायोजन

किया है। तदनुसार, डीकेआई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

#### कोरिया आरपी के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आरपी के अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### जापान के लिए निर्यात कीमत

##### मै. जे एफ ई स्टील कॉर्पोरेशन जापान, (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत

62. जेएफई ने जेएफई शोजी ट्रेड कॉर्पोरेशन, जापान, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन, जापान, निशान ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लि0, ओहामी इंडस्ट्रीज, मित्सुई एंड कंपनी लि0, जापान और मैटल वन कॉर्पोरेशन, जापान के माध्यम से अपनी संबंधित/ गैर-संबंधित व्यापारिक कंपनियों के साथ प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।

पक्षकार	मात्रा (मी.ट.)	प्रतिशत	प्रस्तुत उत्तर
जेएफई ने जेएफई शोजी ट्रेड कॉर्पोरेशन	***	***	हां
होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	***	***	हां
मैटल वन कॉर्पोरेशन	***	***	हां
मित्सुई एंड कंपनी	***	***	हां
निशान ट्रेडिंग	***	***	हां
ओहामी इंडस्ट्रीज	***	***	हां
<b>कुल योग</b>	<b>***</b>	<b>100%</b>	

63. इसलिए प्राधिकारी सत्यापन के अध्यधीन भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं। जेएफई ने अपने प्रत्युत्तर में सुपुर्दी की सभी शर्तों और स्पष्टीकरण नहीं दिए हैं और निर्यात कीमत में कोई समायोजन करने का दावा नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि अन्य उत्पादकों ने निर्यात कीमत से समायोजन करने का दावा किया है, जेएफई ने ऐसे समायोजनों का कोई दावा नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने जापान से अन्य सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर निर्यात कीमत से अनंतिम समायोजन किया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछेक व्यापारियों ने घाटे पर अथवा ऐसी कीमत पर भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं जोकि व्यापारियों के व्यय को भी वसूल नहीं कर पाती हैं। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्ययों पर उपयुक्त समायोजन भी किया है। तदनुसार कारखानागत स्तर पर जेएफई के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

मै. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कॉर्पोरेशन, जापान के लिए निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन गुसान कॉर्पोरेशन, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन, जापान, कानेमत्सु कॉर्पोरेशनलि0, जापान, मार्लबेनी इटोचू स्टील इंक जापान, मित्सुई एंड कंपनी लि0, जापान, सुमितोमो कॉर्पोरेशन, जापान और मैटल वन कॉर्पोरेशन जापान तथा टोयोटा त्सुसो कॉर्पोरेशन जापान (निर्यातक/व्यापारी) के माध्यम से निर्यात मूल्य

64. एनएसएसएमसी ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मै. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कॉर्पोरेशन, जापान के लिए निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन गुसान कॉर्पोरेशन, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन, जापान, कानेमत्सु कॉर्पोरेशन लि.,

जापान, मारुबेनी इटोचू स्टील इंक जापान, मित्सुई एंड कंपनी लि0, जापान, सुमितोमो कॉर्पोरेशन, जापान और मैटल वन कॉर्पोरेशन जापान तथा टोयोटा त्सुसो कॉर्पोरेशन जापान जिन्होंने एनएसएसएमसी द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इसके अतिरिक्त, एनएसएसएमसी ने भी अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का निर्यात किया है। व्यौरा नीचे दिया गया है:

पक्षकार	मात्रा (मी.ट.)	%
निप्पोन स्टील एंड समकिनभूषण कॉर्पोरेशन (संबंधी)	***	***
असंबद्ध व्यापारी	***	***
होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन,	***	***
कानेमत्सु कॉर्पोरेशन	***	***
मारुबेनी इटोचू स्टील इंक	***	***
मैटल वन कॉर्पोरेशन	***	***
मित्सुई एंड कंपनी लि0,	***	***
सुमितोमो कॉर्पोरेशन	***	***
टोयोटा त्सुसो कॉर्पोरेशन	***	***
भारत को कुल निर्यातक	***	100%

65. अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए एनएसएसएमसी की निर्यात विक्री एफओबी आधार पर है। एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजनों, क्रृष्ण लागत, वारंटी, स्वदेशी माल भाड़ा, बीमा, भंडारण और हैंडलिंग के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे अनंतिम रूप से अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### जापान के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। जापान में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे पाठन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### चीन पीआर के लिए निर्यात कीमत

संबद्ध कंपनी मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि., हांग कांग (निर्यातक/व्यापारी) के जरिए मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन पीआर (उत्पादक)

67. मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड (अंगांग) द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंगांग ने संबद्ध निर्यातक/व्यापारी नामतः मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं. लि. ("अंगांग एचके") के जरिए भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। भारतीय ग्राहकों को विक्री सीएफआर आधार पर है। उत्पादक/निर्यातक ने अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन, संभाल प्रभार/सीमा शुल्क फीस, समुद्री भाड़ा और कमीशन के कारण समायोजनों का दावा किया है और उसकी अनुमति

दे दी गई है। प्राधिकारी ने आगे अनंतिम रूप से वापस नहीं करने योग्य वैट के कारण समायोजन किया है। तदनुसार, अंगांग के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

संगत कंपनियों मै. जियांगजू सांगांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (सांगांग इंटरनेशनल), मै. जिंगसा इंटरनेशनल प्रा0 लि0 (जिन्सा), मै. ब्लूकिंग (हांगकांग) कं0 लि0 और मै. फ्यूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्रीज (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड, (निर्यातक/व्यापारी) के माध्यम से झांगजियांग यांगिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लि0 (यांगत्ज), (उत्पादक)

68. झांगजियांग यांगिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लि0 (यांगत्ज) चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्माता है और जाँच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। मै. झांगजियांग यांगत्ज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लि0 (यांगत्ज) ने भारत को संबद्ध निर्यातक/व्यापारी मै. जियांगशु सांगांग इंटरनेशनल कं0 लि0 (सांगांग इंटरनेशनल), जिसने संबद्ध वस्तुओं की मै. जिनसा इंटरनेशनल प्रा0 लि0 को संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है, के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है। मै. जिनसा इंटरनेशनल प्रा0 लि0 ने अंततः दो अन्य निर्यातकों/व्यापारियों नामतः मै. लु किन (हांगकांग) कं0 लि0 और मै. फ्यूचर मैटीरियल इंडस्ट्री (हांगकांग) कं0 लि0 के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। भारतीय ग्राहकों को विक्री सीएफआर आधार पर की गई है और भारत को निर्यातित कुल मात्रा पर विचार किया गया है। उत्पादक/ निर्यातक ने स्वदेशी मालभाड़ा / पोर्ट हैंडलिंग प्रभार/ सीमा-शुल्क फीस, समुद्री मालभाड़ा और वैट के संबंध में समायोजनों का दावा किया है और इसकी अनुमति प्रदान कर दी गई है। तदनुसार, यांगत्ज के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत का नि धारण किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### बऔसन आयरन एंड स्टील कं. लि (उत्पादक) द्वारा बऔस्टील सिंगापुर पीटीई लि. सिंगापुर (निर्यातक)

69. बऔसन आयरन एंड स्टील कं. लि ने अपनी संबद्ध व्यापार कंपनि बऔस्टील सिंगापुर पीटीई लि. द्वारा संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है बऔसन ने परिशिष्ट-2 संबंधी अन्य सूचना के बारे में कोई व्यौरा प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी कोई सूचना नहीं होने कारण के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करने में सक्षम नहीं है और बऔसन द्वारा दायर उत्तर अस्वीकृत कर दिया। तदनुसार, बऔसन के लिए अनंतिम सामान्य मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### चीन पीआर से गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन पीआर के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। चीन पीआर में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए के माध्यम से निर्यातित जापोरिजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स (उत्पादक), यूक्रेन की निर्यात कीमत

71. मै. जापोरी जस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जापोरी जस्टल ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात अपने संबद्ध निर्यातक/व्यापारी मै. मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए के माध्यम से किया है। भारतीय ग्राहकों को विक्री एफओबी आधार पर की गई है। उत्पादक/निर्यातक ने स्वदेशी मालभाड़ा के संबंध में ही समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्रदान कर दी गई है। तदनुसार, अनंतिम

भारित औसत निर्यात मूल्य का नि धारण जापोरीजस्टल के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

### उक्रैन से गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

**72. प्राधिकारी नोट** करते हैं कि उक्रैन के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। उक्रैन में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### 3) पाटन मार्जिन

73. भारत के लिए निर्यात कीमत (निर्यातकों द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों तथा प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों के सभी सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पीओआई के दौरान पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाएं अनुसार निर्धारित किया गया है।

#### पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज%
	कोरिया आरपी	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. ह्यूंडे स्टील कंपनी कोरिया आरपी 2. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन 3. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन 4. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन	***	***	***	***	0-10
	कोरिया आरपी	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को 2. मैसर्स पोस्को डैवू कारपोरेशन 3. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन 4. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 5. मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन. 6. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 7. पोस्को पीएण्डएस	***	***	***	***	50-60
	कोरिया आरपी	डांगकुक स्टील मिल कं. लि	1. डांगकुक स्टील मिल कं. लि 2. मैसर्स पोस्को डैवू कारपोरेशन 3. कोवून ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	***	***	***	***	0-10

	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, 2. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन 3. निशान ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लि0, 4. ओह्सी इंडस्ट्रीज, लि., 5. मित्सुई एण्ड कं. लि., 6. मेटल वन कारपोरेशन, जापान	***	***	***	***	30-40
	जापान	मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, 2. कानेमात्सु कारपोरेशन, 3. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक 4. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 5. मित्सुई एण्ड कं. लि. 6. निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 7. सूमिटोमो कारपोरेशन 8. टोयोटा शूशो कारपोरेशन	***	***	***	***	80-90
	चीन पीआर	मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड	1. मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि., हांग कांग 2. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन	***	***	***	***	30-40
	चीन पीआर	झांगजियागांग यांगिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लि0	1. मै. जियांगजू सांगांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड 2. मै. जिंगसा इंटरनेशनल प्रा0 लि0 3. मै. ब्लूकिंग (हांगकांग) कं0 लि0 और मै. 4. फ्यूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्रीज (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	80-90
	उक्त्रेन	जापोरिजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स	मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए	***	***	***	***	40-50

### संबद्ध देशों से अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

74. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण, उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किया गया पाटन मार्जिन नीचे तालिका में दिया गया है:-

क्वायल्स में एचआर (यूएस \$/एमटी)	जापान	कोरिया	चीन	उक्रैन
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निबल निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***	***	
पाटन मार्जिन की % सीमा	80-90	90-100	80-90	40-50

75. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन काफी अधिक है और यह संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के सभी उत्पादकों-निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में नियमावली के अंतर्गत निर्धारित सीमा से अधिक है।

### छ. क्षति

#### आयातकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और प्रयोक्ता एसोसिएशनों द्वारा किए गए निवेदन

76. क्षति से संबंधित मुद्दों के बारे में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

क. भारतीय उत्पादकों ने कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट की वैश्विक और घरेलू कीमतों के अनुसार कीमतों में कमी नहीं की है। यदि यह सस्ता आयात नहीं है लेकिन कोल्ड रोल्ड क्वायल की घरेलू कीमतें अधिक हैं जिसने पर भारतीय निर्माण क्षेत्र और भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है।

ख. सस्ते आयातों का प्रमुख कारण लोह अयस्क, कोकिंग कोल, लुब्रिकेंट इत्यादि की घरेलू और वैश्विक कीमतों में गिरावट का होना है।

ग. निवेश के प्रतिफल पर घरेलू उद्योग द्वारा भ्रामक सूचना प्रदान की गई है। वर्तमान मामले में आरओसीई ने गिरावट हाल में हितबद्ध कंपनियों द्वारा किए गए निवेशों सहित अन्य कारकों के संबंध में होने की संभावना है। प्रारूप IV के प्रदानकी गई क्षति की सूचना में यह सुझाव दिया गया है कि घरेलू उद्योग को निरंतर आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

घ. याचिका में घरेलू उद्योग के संबंध में कथित पाटित आयातों के नकारात्मक प्रभाव के पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 के दौरान अप्रैल, 2012 से मार्च, 2013 की तुलना में उत्पादन में 23 प्रतिशत की वृद्धि, घरेलू विक्रियों में 13 प्रतिशत की वृद्धि, बाजार के हिस्से में 4 प्रतिशत की वृद्धि, क्षमता में 45 प्रतिशत की वृद्धि, लगाई गई पूँजी में 50 प्रतिशत की वृद्धि और निर्यातविक्री में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। ये संकेतक याचिकाकर्ताओं के स्थिर और सकारात्मक विकास को सिद्ध करते हैं।

ड. जांच की अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं के घरेलू उत्पादन के हिस्से और समग्र उत्पादन में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ताओं की घरेलू विक्रियों में भी जांच की अवधि के अंत में शुरूआत से 9 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

याचिकाकर्ताओं का बाजार हिस्सा घरेलू विक्रियों में वृद्धि की तुलना में वृद्धशील प्रवृत्ति को दर्शाता है। अतः निहित सूचना यह पुष्टिकरती है कि घरेलूउद्योगकोर्ड धृति नहीं हुई है।

च. याचिकाकर्ता की उपलब्ध सूचना के अनुसार कंपनियों को किसी धृति का सामना नहीं करना पड़ रहा है और वे अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। सेल की रणनीतिक निवेशों के लिए योजना है और अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए योजना बना रही है। एस्सार स्टील सकारात्मक स्थिति का इशारा करती है और कंपनी ने स्टील की घरेलू खपत के संबंध में सकारात्मक स्थितिदर्शायी है। जे एस डब्ल्यू स्टील का यह मानना है कि सेल के कोल्ड रोल्ड उत्पादों में वर्ष 2014-15 में वर्ष 2013-14 की तुलना में वृद्धि हुई है। अतः मेटिनवेस्ट ने प्राधिकारी का ध्यान आकर्षित किया है कि संबंधित कंपनियां धृति का सामना नहीं कर रही हैं लेकिन वास्तव में सकारात्मक निष्पादन दर्ज किया है।

छ. घरेलू उद्योग को कथित धृति का कारण उच्च क्रृष्ण, कम निर्यात मूल्य और घरेलू कीमतों का होना है। याचिकाकर्ताओं द्वारा समग्र भारतीय मांग की पूर्ति होने के बावजूद भारत में अप्रयुक्त धमता काफी अधिक होगी। प्राधिकारी को धृति के निष्कर्ष से पूर्व लागतों पर अत्यधिक धमताओं के भार की जांच करनी चाहिए। याचिकाकर्ताओं का उत्पादन वर्ष के दौरान स्थिर रहा और उत्पादन में कोई प्रतिकूल प्रभाव प्रतीत नहीं हुआ।

ज. यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को धृति आयातों के कारण नहीं है बल्कि अपने आप बनाई हुई है। भारत में भारी निवेश वित्तीय धमता से अधिक हानि वाले उद्यम, खराब क्रृष्ण इक्कीटी अनुपात और भारी व्याज का भार होने से कुछ उत्पादकों के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने लागत में कमी और उत्पाद विकास के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नयन को नजरअंदाज किया है।

झ. याचिकाकर्ता को हुई कथित धृति का कारण संबद्ध देशों से आयातों के अलावा अन्य कारक भी हैं। अन्य डब्ल्यूटी ओ सदस्यों के साथ एफटीए, चीन में अधिक धमता विश्व के स्टील उद्योग का नकारात्मक दृष्टिकोण, भारत से स्टील के निर्यात में कमी और विशिष्ट कंपनियों अर्थात् सेल, एस्सार स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील आदि के संबंध में विभिन्न नकारात्मक कारकों का होना है, जिनके कारण भारतीय घरेलू उत्पादन में नकारात्मक प्रभाव पड़ा होगा।

ठ. आवेदकों द्वारा याचिका में दावा की गई सूचना यह दर्शाती है कि उत्पाद के लिए मांग में पर्याप्त कमी आई है। इससे यह पता चलता है कि पाठित आयातों और घरेलू उद्योग को धृति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। कोई भी निरंतर धृति मांग में गिरावट जैसे अन्य कारकों के कारण है।

ठ. घरेलू उत्पादकों के बीच घरेलू बाजार में सशक्त प्रतिस्पर्धा है। इसके अलावा, सेल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्टील कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बारे में उल्लेख किया है। व्याज लागत में वृद्धि और विक्रियों की लागत में वृद्धि आयातों के प्रभाव के कारण नहीं हो सकती। इस प्रकार घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और लागतों में वृद्धि को पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के तात्पर्य से अन्य कारक के रूप में विचार नहीं किया जाना चाहिए।

ड. कोल्ड रोल्ड शीट/क्वायल के आयातों में एच आर क्वायल- निर्माण क्षेत्र द्वारा अधिक आयात के लिए आवश्यक आधारभूत सामग्री के उत्पादन में भारी कमी के कारण वृद्धि हुई है। विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में सेल में विस्तार और कार्यों के अनुरक्षण के कारण गिरावट आई है और आयातों की उत्पादों के गिरावट में कोई भूमिका नहीं थी।

ढ. याचिकाकर्ताओं की शिकायत मूल्यहास की मौजूदगी के संबंध में कमी के कारण है। याचिका एकल देशों से आयातों के कारण साध्यों को न तो प्रभावित करती है और न ही घरेलू उद्योग के दावे के समर्थन में पर्याप्त साध्य प्रदान करती है जिससे कि घरेलू उद्योग को धृति का सामना करना पड़ा हो।

ण. वर्ष 2015-16 में इंटरनेशनल ट्रेडसेंटर (यू एन कार्ड्रेड के आधार पर) से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार यूक्रेन का कुल आयात में अंश 2.48 % था अर्थात् यह पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.8 के तात्पर्य से नकारात्मक माना जाना चाहिए। वर्ष 2015-16 में यूक्रेन से आयात विगत वर्षों की तुलना में आधा रहा। अतः यूक्रेन से आयातों में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं थी जिससे कि घरेलू उत्पादकों को धृति हुई हो।

त. यूक्रेन का आयात अन्य स्रोतों से आयातों के संबंध में कम रहा है। यूक्रेन से आयात घरेलू उद्योग के लिए चुनौती के रूप में नहीं है और पाटनरोधी शुल्क लगाए बिना पहले से ही कम हो रहा है। यूक्रेन के आयात का प्रभाव अन्य स्रोतों से आयातों के अनुसार संकलित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यूक्रेन से आयातों में देश में सुरक्षा स्थिति के स्थिरीकरण के बाद कम होने की संभावना है।

### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**

77. प्राधिकारी ने इस आवेदन में दाखिल याचिका के संगत अनुरोधों पर विचार किया है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

78. क्षति और कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान निम्नानुसार किया गया है:-

- (क) हितबद्ध पक्षकारों के इस आशय के निवेदनों के संबंध में कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है और जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के समुनुरूप घरेलू उद्योग ने पहले से ही अपनी कीमतों को घटा दिया है। तथापि, सामान्य मुद्रा स्फीति के कारण भाड़े, श्रम और अन्य परिवर्तन लागत जैसे अन्य व्यय में वृद्धि हुई है।
- (ख) प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने की तुलना में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य में काफी अधिक गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को ऐसी कम कीमतों के समुनुरूप अपनी कीमतों को कम करने पर विवश होना पड़ा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए आयातों की मात्रा में वृद्धि का कारण यह था कि हॉट रोल्ड उत्पादों, जोकि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए कच्ची सामग्री के इनपुट के रूप में प्रयुक्त होते हैं, का उत्पादन जांच की अवधि के दौरान कम हुआ है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों का तर्क ठीक नहीं है। भारत में हॉट रोल्ड उत्पादों का उत्पादन स्थिर रहा है।
- (घ) यह तर्क दिया गया है कि यूक्रेन से आयात नगण्य है और वर्ष 2015-16 के दौरान यूक्रेन से आयातों में कोई महतवपूर्ण वृद्धि नहीं हुई है जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति होती हो। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूक्रेन से आयात भारत में विचाराधीन आयातों में विलकुल न्यून है। इसके अलावा, विस्तृत जांच के बाद यह पाया गया है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (ङ.) हितबद्ध पक्षकारों ने यह प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग को हुई हानि बढ़ते व्याज के भार सहित, कम नियर्याती कीमत, हानि वाले उद्योगों, उच्च निर्धारित लागत भार, उच्च माल भाड़ा लागत, उच्च प्राद्योगिकी की कमी, कच्ची सामग्री की समस्या, क्षमताओं का कम उपयोग होने और डाउन स्ट्रीम उद्योग की गुणवत्ता जरूरतों को पूरा करने में असमर्थता और उसके अपने आंतरिक कारणों की वजह से है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये दावे बिल्कुल सामान्य और बिना प्रमाणों के हैं। विस्तृत जांच के बाद प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से भारत में आ रहे पाटिट आयातों की बढ़ती मात्रा के कारण क्षति का सामना करना पड़ा है। यह भी नोट किया जाता है कि अवसंरचना और क्षमताएं संबद्ध वस्तुओं की मांग की पूर्ति के लिए घरेलू उद्योग के संबंध में है। इसके अलावा, विभिन्न क्षति मानदंडों का विश्लेषण और कारणात्मक संबंध पर नीचे चर्चा की गई है।

#### **ज. संचयी मूल्यांकन**

79. विश्व व्यापार संगठन करार के अनुच्छेद 3.3 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है (अथवा अधिक है) वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा

(ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि

(क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन, नियमावली में निर्धारित न्यूनतम सीमा से बहुत अधिक है।

(ख) ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा आयातों की कुल मात्रा से 3% से भी अधिक है।

(ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनके द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं, बल्कि वे भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

81. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन करना उपयुक्त होगा।

82. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के साथ पठित उसके अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि क्षति का निर्धारण करने की जांच में "..... सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिनमें पाठित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव शामिल हैं....." ऐसे कारकों की जांच करना शामिल है, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति होने का पता चलता हो। कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, विक्रियों की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल विक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

#### पाठित आयातों की मात्रा के प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

#### मांग का मूल्यांकन

83. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण, सभी देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के साथ समान उत्पाद के भारतीय उत्पादकों की घरेलू विक्रियों को जोड़ कर किया गया है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए आयात के आंकड़ों पर विश्वास किया है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए कॉइल में नहीं एचआर के लिए जापान से अपाठित निर्यातों के संबंध में प्राधिकारी ने संबंधित निर्यातक द्वारा जांच की अवधि के दौरान यथासूचित क्षति अवधि के लिए आयातों का इस कारण से अनुमान लगाया है कि प्राधिकारी को समय पर सूचना प्रदान नहीं की गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में देखा जा सकता है :-

विवरण (मात्रा मी.ट. में)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
संबद्ध देशों से कुल आयात	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
अन्य देशों से आयात	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488

कुल आयात	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
याविकादाताओं की घरेलू विक्री	17,72,143	17,93,934	19,66,473	19,96,730	9,66,568	19,33,136
सहयोगकर्ताओं की घरेलू विक्री	4,96,965	5,16,368	4,64,625	5,59,434	2,92,715	5,85,430
अन्य उत्पादकों की घरेलू विक्री	24,69,727	22,61,061	21,93,144	19,14,871	9,30,988	18,61,977
कुल मांग	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656

### आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

84. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
चीन जन.गण.	मी.ट.	2,64,420	1,06,642	2,84,094	2,33,478	1,62,172	3,24,343
जापान	मी.ट.	3,04,308	2,59,711	2,50,269	3,75,895	2,02,561	4,05,122
कोरिया	मी.ट.	5,79,507	6,50,815	6,99,157	8,10,760	5,15,799	10,31,598
यूक्रेन	मी.ट.	50,008	52,699	1,33,912	1,18,789	38,781	77,562
अन्य	मी.ट.	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
कुल आयात	मी.ट.	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
संबद्ध देशों से कुल आयात	मी.ट.	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	114	128	77	153
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	46	73	49	22	44
कुल आयात	मी.ट.	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	107	115	67	134
भारत में कुल मांग	मी.ट.	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	100	99	51	102
खपत के संबंध में संबद्ध देशों से आयात		19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
याचिकादाताओं का उत्पादन	मी.ट.	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,849.93	22,92,142	45,84,284
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	122	124	59	117
याचिकादाताओं के संबंध में संबद्ध देशों से आयात 'कुल उत्पादन		30.6%	25.8%	28.5%	31.7%	40.1%	40.1%

85. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

- (क) संबद्ध देशों से पाटित आयात, 2012-13 में 11,98,244 MT से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 18,38,625 मी.टन हो गए।
- (ख) याचिकादाताओं के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयात में वर्ष 2012-13 में 30.6% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 40.1 % हो गए।
- (ग) भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयात, वर्ष 2012-13 में 19.4% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 29 % हो गए।

86. इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पूर्णरूपेण और भारत में उत्पादन और खपत दोनों के संबंध में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है।

#### घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत प्रभाव

87. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

“जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती।”

88. इसकी जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों को ह्रास करने पर पड़ते अथवा कीमत में होने वाली वृद्धि को रोकते जो कि अन्यथा अत्यधिक स्तर तक होती। कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हुआ है, के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई।

#### कीमत में कटौती

89. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली के साथ की है। इस संबंध में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की तुलना निर्धारित उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी रिवेटों और करों को छोड़कर घरेलू बाजार के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था। घरेलू कीमतों और कीमत में कटौती के मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

कीमत कटौती	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जुलाई, 15 से दिसं., 15	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)
पहुंच मूल्य	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	97	74	69
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	99	82	80
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	(10) to 0	(20) to (10)	(10) to 0	0 to 10	0 to 10

कीमत कटौती	जुलाई, 15 से दिसं., 15	चीन जन.गण.	जापान	कोरिया	यूक्रेन	संबद्ध देश
पहुंच मूल्य	रु. /मी.ट.	***	***	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत	रु. /मी.ट.	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु. /मी.ट.	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	0 to 10	(10) to 0	0 to 10	0 to 10	0 to 10

90. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती जापान के अलावा संबद्ध देशों के लिए मौजूद है। लेकिन उनका यह भी विचार है कि उचित जांच करने के लिए कीमत में कटौती की जांच कीमत में हास और कीमत न्यूनीकरण के संयोजन में की जानी चाहिए तथा कीमत में कटौती की जांच ऐसी अलगाव की स्थिति में नहीं की जानी चाहिए जहां कि घरेलू उद्योग को आयातों के पहुंच मूल्य के समान अपनी कीमतों को बनाए रखने के लिए उन्हें घटाने के लिए निरंतर बाध्य होना पड़े। यदि घरेलू उद्योग आयातों की कीमतों के समनुरूप अपनी कीमतों को कम नहीं करता है तो उसे अधिक ग्राहक गंवाने पड़ेंगे और इससे उसको और विकट क्षति होगी।

#### कम कीमत पर बिक्री

91. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री किए जाने की स्थिति की भी जांच की है। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की भारित औसत क्षति रहित कीमत की आयातों की औसत पहुंच कीमत के साथ की गई तुलना को निम्नानुसार दर्शाया जाता है:-

विवरण	यूओएम	जापान	कोरिया जन.गण.	चीन जन.गण.	यूक्रेन
भारित औसत-क्षति रहित कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	10-20	20-30	20-30	25-35

92. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत से अत्यधिक कम थी।

#### कीमत हास/न्यूनीकरण

93. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में हास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी हद तक कीमतों में हास हुआ है अथवा कीमतों में वृद्धि होना रुका है, जो कि अन्यथा काफी हद तक हो सकती थी, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तन होने पर विचार किया है। इसकी स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015 - दिसंबर 2015)
निर्माण और बिक्री लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	101	93	92
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	99	82	80
पहुंच मूल्य		***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	101	97	74	69

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्माण और बिक्री की लागत में 2012-13 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 8 सूचकांक तक गिरावट आई है। दूसरी ओर बिक्री की कीमत में इस अवधि के दौरान 20 सूचकांक तक की गिरावट आई है जोकि लागत में कमी से काफी अधिक है। यह पाया गया है कि 2012-13 से जांच की अवधि तक 31 सूचकांक के लदान मूल्य में महत्वपूर्ण गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। इस प्रकार आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आई।

### घरेलू उद्योग के आर्थिक प्राचल

95. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में क्षति का निर्धारण करने के लिए समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों की परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच करने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त नियमों में ऐसा भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबद्ध आर्थिक कारकों और सूचकों का सार्थक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना निहित है, जिनमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट, बाजार का हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार, वेतन, संवृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच करने से ऐसा पता चला है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग की क्षति से संबंधित विभिन्न प्राचलों का उल्लेख नीचे किया गया है।

### उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

96. उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार था:-

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015 - दिसंबर 2015)	इकाई
स्थापित क्षमता	मी.ट.	61,48,000	72,21,716	89,20,404	89,20,404	44,77,750	89,55,500
कुल उत्पादन	मी.ट.	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,850	22,92,142	45,84,284
क्षमता उपयोग		63.65%	57.49%	53.69%	54.36%	51.19%	51.19%

97. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट वर्ष 2012-13 के दौरान 63.65 प्रतशित से जांच अवधि के दौरान 51.19 प्रतशित तक आई है। घरेलू उद्योग वर्ष 2012-13 के दौरान 65.65 प्रतशित का बेहतर क्षमता उपयोग प्राप्त करने में समर्थ रहा है। यह पाया गया है कि भारत में विचाराधीन उत्पादों के पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा के कारण घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाया है।

### लाभ, लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ

लाभ/ (हानि)	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(449)	(301)	(1,144)	(594)	(1,189)
लाभ/मी.ट.	रु. /मी.ट.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(443)	(271)	(1,015)	(1,090)	(1,090)

नकद लाभ	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(188)	(50)	(668)	(351)	(702)
नकद लाभ /मी.ट.	रु. /मी.ट.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(186)	(45)	(593)	(644)	(644)

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
आरओसीई	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	46	91	(48)	(58)	(58)

98. उपरोक्त सारणी से यह पाया गया है कि शामिल पूँजी पर प्रतिफल पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। पाटितआयातों की बढ़तीमात्रा के कारण घरेलू उद्योग अपने निवेशों पर उचित प्रतिफल प्राप्त करने में असमर्थ रहा है। यह भी उल्लेख किया जाता है कि नकद लाभ नकद नुकसान में परिवर्तित हो गया है और जांच कीअवधिके दौरान स्थिति काफी खराब हो गई है।

#### बाजार का हिस्सा

99. घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसं. 2015 (क)	पीओआई (जुलाई 2015- दिसं. 15)	पीओआई (क)
मांग (एमटी)	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
सूचीबद्ध	100	93	100	99	51	102
बाजार हिस्सा						
याचिकादाता का हिस्सा	28.6%	31.2%	31.8%	32.5%	30.5%	30.5%
सहयोगकर्ताओं का हिस्सा	8.0%	9.0%	7.5%	9.1%	9.2%	9.2%

अन्य उत्पादकों का हिस्सा	39.9%	39.3%	35.5%	31.2%	29.4%	29.4%
संबद्ध देशों का हिस्सा	19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
अन्य देशों का हिस्सा	4.1%	2.0%	3.0%	2.0%	1.7%	1.7%

100. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जांच की अवधि के दौरान कम हुआ है। यद्यपि, इस अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है। इसका कारण यह है कि अयातों में मांग में वृद्धि के अनुसार बढ़ोत्तरी हुई है।

101. संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा में वृद्धि हुई है।

### संबूद्धि

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	अप्रैल 15 से दिस., 15 (क)	जांच अवधि (क)
उत्पादन	%	6%	15%	1%	-5%
बाजार हिस्सा	%	9%	2%	2%	-6%
उत्पादन की लागत	%	3%	-2%	-7%	-1%
विक्री कीमत	%	-1%	0%	-17%	-3%
प्रति इकाई धाटा	%	343%	-39%	274%	7%
नियोजित पूँजी पर आय	%	-54%	-19%	-230%	-21%

102. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता उपयोग, लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि जांच की समग्र क्षतिअवधि के दौरान नकारात्मक रही। यह स्थिति देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि के बावजूद जांच की अवधि के दौरान काफी खराब रही। कुल मिलाकर घरेलू उद्योग की वृद्धि जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक रही है।

### पूँजीगत निवेश जुटाने की क्षमता

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की मांग बढ़ने की स्थिति को ध्यान में रख कर संयंत्र और मशीनरी में निवेश किया है। तथापि, इन निवेश के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है और इससे और निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

### पाठन का स्तर और पाठन मार्जिन

104. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात भारतीय बाजार में पाठित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं और पाठन का मार्जिन अत्यधिक है।

### घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

105. संबद्ध देशों से आयात कीमतों की जांच करने, लागत के ढांचे में परिवर्तन होने, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा होने, पाठित आयातों से भिन्न कारकों से जो कि घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हैं, आदि से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य, घरेलू उद्योग की विक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी

कम है, जिसके कारण भारतीय बाजार में अत्यधिक कीमत कटौती, कम कीमतपर विक्री, मूल्य ह्रास और कीमत न्यूनीकरण हो रही है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य है।

### क्षति पर निष्कर्ष

106. इस प्रकार यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पूर्णरूपेण पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस प्रकार भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन दोनों के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों का कीमत ह्रास, कीमत कटौती और न्यूनीकरण के रूप में कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों के प्रभाव के फलस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतें कम हुई हैं। कम कीमत के पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को बाजार कीमत प्राप्त करने के लिए विवश कर दिया है जो कि उसकी लागत को भी वसूल नहीं कर सकी है। घरेलू उद्योग को अत्यधिक कम कीमत पर विक्री करने पर क्षति हो रही है। भारत में कम कीमत पर पाटित आयातों के प्रवेश करने से अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण की स्थिति विद्यमान है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातने ने उत्पादन, घरेलू विक्रियों, बाजार हिस्सा, क्षमता उपयोग, माल सूचियों, बाजार के हिस्से, लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग की मालसूचियों में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूँजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2013-14 तक नियोजित पूँजी पर बहुत अच्छा लाभ और प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

### कारणात्मक संबंध

107. प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या पाटन-रोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। पाटन और घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति होने के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है।

### तृतीय देशों से आयात

108. संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से अधिक नहीं हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का खतरा हो। इसके अतिरिक्त जिन कीमतों पर अन्य देशों से वस्तुएं आ रही हैं, वे संबद्ध देशों से आने वाली वस्तुओं की कीमतों से बहुत अधिक हैं।

### मांग में संकुचन

109. संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने की प्रवृत्ति दृष्टिगत हुई है। इसलिए मांग में कमी होना, घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकता है। वास्तव में घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समनुरूप अपनी विक्रियों और बाजार के हिस्से को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है।

### विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापारिक प्रतिबंधित प्रद्वतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्द्धा

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी कोई व्यापारिक प्रतिबंधित पद्वति नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

### प्रोद्योगिकी में विकास

111. संबद्ध उत्पाद के उत्पादन की प्रोद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार प्रोद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

### खपत के पेटर्न में परिवर्तन

112. घरेलू उद्योग ऐसी वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है, जिनका भारत में आयात किया गया है। खपत के पेटर्न में संभावित परिवर्तन घरेलू उद्योग की क्षति का कारक नहीं हो सकता है।

### निर्यात निष्पादन

113. घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित अधिक गिरावट आने का कारण नहीं माना जा सकता है। वास्तव में भौतिक दृष्टि से घरेलू उद्योग के निर्यात में कोई गिरावट नहीं आई है। फिर भी घरेलू उद्योग के घरेलू कार्य-निष्पादन पर विचार किया गया है।

### अन्य देशों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन ने घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के प्राधिकारी द्वारा किए गए मूल्यांकन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना पर विचार किया गया है।

### घरेलू उद्योग की उत्पादकता

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को उत्पादकता में गिरावट आने के कारण क्षति नहीं हुई है।

### कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

116. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाइत आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में भौतिक दृष्टि से गिरावट आई है। पाइत आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध होने की संपुष्टि निम्नोक्त आधार पर हुई है:-

- समग्र जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है।
- भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समनुरूप अपने उत्पादन और विक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है।
- घरेलू उद्योग की माल सूचियों बढ़ी हैं क्योंकि मांग में हुई वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी विक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है। आयातों ने भारत में मांग को तेजी से हथिया लिया है।
- भारत में प्रवेश करने वाले कम कीमत के पाइत आयातों के कारण अत्यधिक कीमत हास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2013-14 तक नियोजित पूंजी पर बहुत अच्छा लाभ और प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गया।

117. उपरोक्त विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते पाइत आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है। इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के पाइत आयातों में वृद्धि होने और घरेलू उद्योग को हो रही आर्थिक क्षति के बीच सुदृढ़ संबंध विद्यमान है।

### क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

118. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में उपरोक्त जांच से प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाठन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाइत आयातों की मात्रा में तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। पाइत आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव डाला है। संबद्ध देशों के लिए पाठन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे अत्यधिक माना गया है। संबद्ध देशों से पाइत आयातों ने उत्पादन, विक्रियों और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में

अत्यधिक गिरावट आई है। उसकी मांग सूचियों में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाठन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक धति हुई है।

119. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है और उसकी तुलना प्रतिवादी निर्यातिकों के संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्यों के साथ की है ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। भारित औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्धारित किए गए क्षति मार्जिन पर विचार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

#### क्षति मार्जिन तालिका

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेज%
	कोरिया आरपी	मैसर्स ह्यूडे स्टील कंपनी	1. ह्यूडे स्टील कंपनी कोरिया आरपी 2. मैसर्स ह्यूडे कारपोरेशन 3. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन 4. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन	***	***	***	***	(15-25)
	कोरिया आरपी	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को 2. मैसर्स पोस्को डैवू कारपोरेशन 3. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन 4. मैसर्स ह्यूडे कारपोरेशन, 5. मैसर्स सैमसंग सीएण्टी कारपोरेशन. 6. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 7. पोस्को पीएण्डएस	***	***	***	***	40-50
	कोरिया आरपी	डांगकुक स्टील मिल कं. लि	1. डांगकुक स्टील मिल कं. लि 2. मैसर्स पोस्को डैवू कारपोरेशन 3. कोवून ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	***	***	***	***	(55-65)

	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, 2. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन 3. निशान ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लि0, 4. ओह्सी इंडस्ट्रीज, लि., 5. मित्युई एण्ड कं. लि., 6. मेटल वन कारपोरेशन, जापान	***	***	***	***	5-15
	जापान	मैर्सर्स निष्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, 2. कानेमात्सु कारपोरेशन, 3. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक 4. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 5. मित्युई एण्ड कं. लि 6. निष्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 7. सूमिटोमो कारपोरेशन 8. टोयोटा शूशो कारपोरेशन	***	***	***	***	20-30
	चीन जनवादी गणराज्य	मैर्सर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड	1. मैर्सर्स अंगांग गुप हांग कांग कं., लि., हांग कांग 2. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन	***	***	***	***	10-20
	चीन जनवादी गणराज्य	झांगजियागांग यापिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लि0	1. मै. जियांगजू सांगांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड 2. मै. जिंगसा इंटरनेशनल प्रा0 लि0 3. मै. ब्लूकिंग (हांगकांग) कं0 लि0 और मै. 4. फ्यूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्रीज (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	40-50

	उक्केल	जापोरिजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स	मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए	***	***	***	***	25-35
--	--------	---	------------------------------	-----	-----	-----	-----	-------

120. यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन अत्यधिक पाया गया है।

#### संबद्ध देशों से अन्य उत्पादकों और नियांतकों के लिए पहुंच मूल्य और क्षति मार्जिन

121. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और नियांतकों के संबंध में भारत में पहुंच मूल्य का निर्धारण उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी नियांतकों द्वारा प्रदान की गई सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किए गए क्षति मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

	जापान	कोरिया	चीन	यूक्रेन
क्षति रहित कीमत	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***	***	***
क्षति मार्जिन की % सीमा	20-30	40-50	40-50	25-35

#### झ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

122. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में समान अवसरों वाली स्थिति सृजित करके खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटन-रोधी उपाय लागू करना संबद्ध देश से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ता को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं करेंगे।

123. यह माना जाता है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं को इस्तेमाल करके विनिर्मित किए उत्पाद के कीमत के स्तर को प्रभावित हो सकते हैं और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्द्धात्मकता कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है। घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि प्रस्तावित शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं के लिए लागत संबंधी नगण्य प्रभाव पड़ेंगे। इसलिए पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटन-रोधी शुल्क ऐसी राशि तक सीमित रहते हैं, जो कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट की रोकथाम होगी तथा ये उपभोक्ताओं को उनकी व्यापक रूचि की संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता को बनाए रखने में सहायक होंगे।

#### ज. सिफारिशें

124. किए गए निवेदनों और उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष देते हैं कि-

- (क) भारत में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के नियांत, सामान्य मूल्य से कम पर किए गए हैं।
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

125. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसके बारे में अधिसूचित किया गया था। निर्यातिकों, आयातिकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त समय दिया गया था। पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू किए जाने और उसका संचालन करने तथा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में निश्चयात्मक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई आर्थिक क्षति और खतरा होने की पुष्टि हो जाने पर, प्राधिकारी का यह विचार है कि मौजूदा मामले में पाटन और “क्षति” को दूर करने के लिए निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है।

126. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए निम्नांकित तालिका में वर्णित ढंग और तरीके से प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और नीचे तालिका के कॉलम 8 में निर्दिष्ट राशि के बीच के अंतर के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है, बशर्ते कि पहुंच मूल्य, कॉलम 8 में निर्दिष्ट मूल्य से कम हो। इस प्रयोजनार्थ का पहुंच मूल्य, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) द्वारा यथा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी शुल्क शामिल होंगे।

### शुल्क तालिका

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातिक देश	उत्पादक	निर्यातिक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7209, 7211, 7225 and 7226	आयरन आथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. ह्यूंडै स्टील कंपनी, कोरिया आरपी 2. मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन, कोरिया आरपी 3. मै. एल जी इंटर्नेशनल कॉर्पोरेशन, कोरिया आरपी 4. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन	शून्य (शुल्क तालिके नीचे के नोट-1 का संदर्भ में)	मी.टन	यूएस \$
2.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. ह्यूंडै स्टील कंपनी, कोरिया आरपी 2. मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन, कोरिया आरपी	594	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	नियांतक देश	उत्पादक	नियांतक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा	
						3. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, कोरिया आरपी 4. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन				
3.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को 2. मैसर्स पोस्को दैवू कारपोरेशन 3. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, कोरिया आरपी 4. मैसर्स ह्यूडे कारपोरेशन, 5. मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन. 6. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 7. पोस्को पीएण्डएस	594	मी.टन	यूएस \$	
4.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	डांगकुक स्टील मिल कं. लि	1. डांगकुक स्टील मिल कं. लि 2. मैसर्स पोस्को दैवू कारपोरेशन 3. कोवून ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	शून्य (शुल्क तालिक के नीचे के नोट-2 का संदर्भ में)	मी.टन	यूएस \$	
5.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	डांगकुक स्टील मिल कं. लि	1. डांगकुक स्टील मिल कं. लि 2. मैसर्स पोस्को दैवू कारपोरेशन	594	मी.टन	यूएस \$	

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	नियतिक देश	उत्पादक	नियतिक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा	
					3. कोवून ड्रेडिंग कॉर्पोरेशन					
6.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	क्रमांक 1, 2, 3, 4 और 5 से भिन्न कोई अन्य संयोजन	594	मी.टन	यूएस \$		
7.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	594	मी.टन	यूएस \$	
8.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	594	मी.टन	यूएस \$	
9.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. जेएफई शोजी ड्रेड कारपोरेशन 2. होण्डा ड्रेडिंग कारपोरेशन 3. निशान ड्रेडिंग कॉर्पोरेशन लि., 4. ओही इंडस्ट्रीज, लि., 5. मित्सुई एण्ड कं. लि., 6. मेटल बन कारपोरेशन, जापान	594	मी.टन	यूएस \$	
10.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. होण्डा ड्रेडिंग कारपोरेशन, 2. कानेमात्सु कारपोरेशन, 3. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक	594	मी.टन	यूएस \$	

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	नियांतक देश	उत्पादक	नियांतक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा	
						4. मेटल बन कारपोरेशन, जापान 5. मित्सुई एण्ड कं. लि 6. निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 7. सूमिटोमो कारपोरेशन 8. टोयोटा शूशो कारपोरेशन				
11.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	क्रमांक 9 और 10 से भिन्न कोई अन्य संयोजन	कोई	कोई	मी.टन	यूएस \$	
12.	- वही -	- वही -	जापान	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश			594	मी.टन	यूएस \$	
13.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	594	मी.टन	यूएस \$	
14.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड	1. मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि., हांग कांग 2. मै. एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन	594	मी.टन	यूएस \$	
15.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	झांगजियांग यांगिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लि0	1. मै. जियांगजू सांगांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड 2. मै. जिंगसा इंटरनेशनल प्रा. लि. 3. मै. ब्लूकिंग	594	मी.टन	यूएस \$	

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	नियतिक देश	उत्पादक	नियतिक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा	
						(हांगकांग) कं. लि. और मै. 4. फ्यूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्रीज (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड				
16.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	क्रमांक 14 और 15 से भिन्न कोई अन्य संयोजन	कोई	कोई	594	मी.टन	यूएस \$
17.			चीन जनवादी गणराज्य	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश				594	मी.टन	यूएस \$
18.			पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई		594	मी.टन	यूएस \$
19.	- वही -	- वही -	उक्रैन	उक्रैन	जापोरिजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स	मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए		594	मी.टन	यूएस \$
20.	- वही -	- वही -	उक्रैन	उक्रैन	क्रमांक 19 से भिन्न कोई अन्य संयोजन			594	मी.टन	यूएस \$
21.	- वही -	- वही -	उक्रैन	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई		594	मी.टन	यूएस \$
22.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	उक्रैन	कोई	कोई		594	मी.टन	यूएस \$

नोट- 1 :- केवल निम्नलिखित कोटि/ग्रेडों के लिए लागू:

- कार्बन युक्त प्लेन कार्बन स्टील्स  $< 0.15\%$  और अधिकतम  $\leq 410$  जिसमें निम्नलिखित गुण निहित हैं:  
 क. वाणिज्यिक कोटि

ख. ड्राइंग/गहन ड्राइंग कोटि (डी/डीडी)

ग. अत्यधिक गहन ड्राइंग कोटि (ईडीपी)

2. प्लेन कार्बन हाई स्ट्रेंथ वाले स्टील चाहे वे इंटरस्टिटेल मुक्त हों अथवा यूटीएस>= 350 एमपीए – आईएफ-एचएस युक्त हों अथवा एचएस युक्त

3. न्यूनतम यूटीएस >= 590 एमपीए युक्त एडवांस्ड हाई स्ट्रेंथ क्वालिटी (एएचएसएस) के माइक्रो एलॉयड स्टील

4. न्यूनतम यूटीएस >= 370 एमपीए (बीएच) युक्त बेक-हार्डनिंग स्टील

5. न्यूनतम यूटीएस >= 370 एमपीए (डीपी) युक्त छ्यूअल फेस स्टील

नोट- 2 :- केवल निम्नलिखित कोटि/ग्रेडों के लिए लागू:

1. <= 600 एमएम तेल युक्त और ट्रिम्ड कोनों वाले न्यूनतम यूटीएस >= 590 एमपीए युक्त माइक्रो एडवांस्ड हाई स्ट्रेंथ क्वालिटी के माइक्रो एलॉयड स्टील
2. <= 600 एमएम चौड़ाई के तेल युक्त और >0.15% कार्बनयुक्त मध्यम और उच्च स्तर के कार्बन स्टील।

#### **ट. आगे की प्रक्रिया**

127. प्रारंभिक जांच परिणाम को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनन्तिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और प्राधिकारी द्वारा उनको प्रासंगिक पाए जाने पर उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा।

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयतकों, आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की चिन्ताओं का पृथक रूप से निदान किया जाएगा, जो कि इन प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उन्हें अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उन्हें अपने विचारों से अवगत करा सकता है।

(ग) प्राधिकारी जितना आवश्यक समझा जाएगा, उतनी आगे और जांच करेंगे।

(घ) प्राधिकारी अंतिम परिणाम घोषित करने से पहले पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार अत्यावश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY**  
**DEPARTMENT OF COMMERCE**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3<sup>rd</sup> August, 2016

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Sub: Anti-dumping investigation concerning imports of “Cold-Rolled flat products of alloy or non-alloy steel” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine-reg.**

**No.14/12/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

2. Whereas by M/s Essar Steel India Limited, M/s Steel Authority of India Limited, M/s JSW Steel Limited and M/s JSW Steel Coated Products Limited (hereinafter referred to as the “applicants” or “petitioners” or “domestic industry”) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the AD Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Cold-Rolled flat products of alloy or non-alloy steel” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine (hereinafter also referred to as the subject countries), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries.
3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient *prima facie* evidence, submitted by the applicants, issued a public notice vide Notification No. 14/12/2016-DGAD dated 19.04.2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the AD Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

#### **A. PROCEDURE**

4. The procedure described below has been followed:
  - a. The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
  - b. The Authority sent a copy of initiation notification to the embassies of subject countries in India, known producers/ exporters form the subject countries and known importers/ users/ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
  - c. The Authority forwarded a copy of the non-confidential version of the application to the Embassies of the subject countries in India; known producers/ exporters from the subject countries and known importers of the subject goods, in accordance with the AD Rules. A copy of the application was also provided to the other interested parties, wherever requested.
  - d. The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the producers/exporters from their countries to file their responses within the prescribed time limits.
  - e. The Authority sent exporter’s questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

#### **China PR**

1. Rizhao
2. Betai Iron & steel
3. Baotou Iron and Steel Group
4. Jiangsu Shagang Group Company Limited
5. Tonghua Iron Steel Group Corporation
6. Angang Steel Company
7. Nanjing Iron and Steel
8. Tangshang Iron & Steel
9. Wuhan Iron and Steel
10. Tianjin Iron & Steel Group Co Ltd

#### **Japan**

1. Nippon Sumitomo
2. Kobe

3. JFE Steel Corporation

**Korea RP**

1. POSCO

2. Hyundai Steel Co Ltd

3. Dongkuk Steel Mill Col Ltd.

**Ukraine**

1. Arcelor Mittal

2. PJSC "Nikopol Ferroalloy Plant"

f. In response to the initiation notification, the following exporters/producers from the subject countries and traders have responded:

**I. Korea**

1. Kowon Trading Corp (Trader)

2. Dongkuk Industries Co. (Producer)

3. Samsung C&T Corporation- (Hyundai) (Trader)

4. Hyundai Steel Company (Producer)

5. P&A Corporation (Trader)

6. LG International Corp. (Trader)

7. Hyundai Corporation (Trader)

8. Posco Daewoo Corporation (Trader)

9. Posco Asia Co. Ltd. (Trader)

10. Posco, Korea (Producer)

11. Posco Processing & Service Co. Ltd. (Trader)

**II. Ukraine**

12. Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works (Producer)

13. Metinvest- SMC LLP

14. Metinvest International SA (Trader)

**III. China PR**

15. Xinsa International Pte. Ltd. (Trader)

16. Zhnagjiagang Yantze River Cold Rolled Sheet Co. Ltd. (Producer)

17. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd. (Trader)

18. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)

19. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)

20. Angang Steel Company Limited (Producer)

21. Angang Group Hong Kong Co. Ltd. (Trader)

22. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (Producer)

23. Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader)

**IV. Japan**

24. Nissan Trading Co. Ltd. (Trader)

25. Sumitomo Corporation (Producer)

26. Honda Trading Corporation (Trader)

27. Ohmi Industries (Trader)

28. Kanematsu Corporation (Trader)

29. JFE steel Corporation (Producer)

30. Nisshin steel Co. Ltd. (Producer)

31. Nippon Steel and Sumitomo Metal Corporation (Producer)

32. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)

33. Toyota Tshusho Corporation (Trader)

34. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)

35. Mitsui & co. Ltd. (Trader)

36. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)

37. Metal One Corporation (Trader)

g. None of the producers/exporters from China PR have claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market treatment in the present investigation. However, producers/exporters from Ukraine have claimed MET.

h. Questionnaires were sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with the AD Rules:

1. Alstom India Ltd.
2. Arcelor Neel Tailored Blank Private Limited
3. Bharat Heavy Electricals Limited
4. Bhilai Engineering Corporation Ltd.
5. C.R.I. Pumps Private Limited
6. Caterpillar India Pvt. Ltd.
7. Denis Plast Limited
8. Desmi Equipments Pvt.Ltd.
9. Escorts Ltd.
10. Exedy India Limited
11. Fine Forge Limited.
12. Flakt (India) Limited
13. Gamesa Wind Turbines P.Ltd
14. Ganpati Enterprises
15. Hindustan Shipyard Ltd.
16. Hindustan Construction Co. Ltd.
17. Idl Explosives Limited
18. Ifb Automotive Private Limited
19. JBM Industries Ltd.
20. JCB India Limited
21. Kalinga Fixtures Ltd.
22. Kalpataru Power Transmission Ltd.

- 23. Larsen & Toubro Limited
- 24. Lloyds Steel Industries Ltd
- 25. Maruti Suzuki India Limited
- 26. POSCO Electrical Steel India Pvt. Ltd.
- 27. Ravi Steel Co.
- 28. Superior Steel Industries
- 29. Tranter India Private Limited
- 30. TRF Limited

i. The following importers/users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses or provided comments on the initiation of the investigation:

- 1. Toyota Kirloskar Motor Pvt. Ltd.
- 2. Sungwoo Hitech India Limited
- 3. PHA India (P) Ltd.
- 4. TI Metal Forming
- 5. Pyung Hawa India Pvt. Ltd.
- 6. Hyundai Motors India Ltd.
- 7. Hwashin Automotive India Pvt. Ltd.
- 8. Sungwoo Stamping Pvt. Ltd.
- 9. Myoung Shin India Automotive Private Ltd.
- 10. YSI Automotive Pvt. Ltd.
- 11. Kwang Jin India Autosystems Pvt. Ltd.
- 12. Dymos Lear Automotive India Pvt. Ltd.
- 13. Nippon Steel & Sumikin Pipe India Private Limited
- 14. Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt. Ltd.
- 15. TT Steel Service India Pvt. Ltd.
- 16. Baosteel India Company Pvt. Ltd.
- 17. Hyundai Steel India Limited
- 18. Posco Electrical Steel India
- 19. Posco Maharashtra Steel Pvt. Ltd.
- 20. Baosteel Company India Pvt. Ltd
- 21. POSCO IDPC, POSCO ICPC and POSCO IPPC

j. Further, the following parties have also filed submissions on the initiation notification:

- 1. Federation of Industries of India
- 2. GPT Steel Industries Limited
- 3. CORSMA
- 4. Society of Indian Automobile Manufacturers
- 5. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Baosteel Company India Pvt. Ltd., Baosteel Singapore Pte. Ltd
- 6. Metinvest Group

7. Embassy of Ukraine
8. The Japan Iron & Steel Federation

- k. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all the interested parties have been taken into account in the present findings, to the extent found relevant to the investigation.
- l. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- m. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
- n. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- o. The Non-injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- p. Considering the fact that the subject goods are being imported in various grades/sizes/dimensions, the applicants have also proposed Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN to PCN comparison for computing the dumping margin and injury margin. However, for the purpose of the preliminary findings, the authority has not adopted PCN to PCN comparison.
- q. Verification of the information provided by the applicant domestic industries, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present preliminary findings.
- r. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> July 2015 to 31<sup>st</sup> December 2016(6 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15, April 2015 to December 2015 and the POI.
- s. The petitioners had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject countries relying upon transaction wise imports data sourced from IBIS. However, request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction wise details of the imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data in the preliminary findings.
- t. Arguments raised and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in the preliminary findings.
- u. Exchange rate for conversion of US\$ to INR is considered for the POI as INR 65.93 as per customs data.
- v. In this notification \*\*\* represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

## B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration (PUC) in the present investigation is “cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated”.

The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard, specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra high strength steels, alloy steels, micro-alloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight. These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications.

The following are not included in the scope of the product under consideration:

- i. Stainless Steel
- ii. High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.
- iii. Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e. alloy steels containing by weight, atleast 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.

6. The PUC is used in many applications and sectors such as automotive, appliances, furniture, electrical panels, general engineering, capital goods, construction, packaging including drums and barrels, coating and plating including galvanizing, color coating, tin plates etc.

7. The subject goods are classified under Custom Tariff Heading 7209, 7211, 7225 and 7226. The Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

### **Submissions made by Exporters, Importers, Users and other interested parties**

8. Submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to issues related to PUC and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. The product scope is too broad and vague. The products are heterogeneous and cannot be included in one basket as like article. The products classified under different headings are materially different and cannot be clubbed together.
- b. The subject products imported from Japan into India are consumed in various steel-making industries such as, but not limited to, automotive, electrical and electronic sectors, etc. Those grades that are not obtained in India should be excluded from the product scope.
- c. The domestic industry has already sought safeguard duty on the imports of the raw material, i.e., hot-rolled steel. The domestic industry is also seeking anti-dumping duty on hot-rolled steel products. It is not understood why the domestic industry is also seeking protection from imports of cold-rolled steel as well when protection from imports of raw material exists. It is difficult to reckon how injury is being caused when safeguard duty is in place on the raw material.

- d. There are quality issues with the products manufactured by the domestic industry. The domestic industry cannot produce the product concerned in all the sizes. The domestic industry has been unable to obtain customer approval on various grades.
- e. The products classified under the sub-headings of 7225 and 7208 are not identical and are plural and heterogeneous in nature, and thus, cannot be put together in one basket to determine a single PUC.
- f. There are a number of grades the domestic industry cannot manufacture and the same should be excluded from the product scope.
- g. GPT Steel Industries submits that Tin Mill Black Plate is used only as input for producing Electrolytic Tin Plates. There are only three units in India manufacturing Tin plates, including GPT. The other two producers, TCIL and Vallabh produce TMBP for their own consumption only and hence their production and their consumption of TMBP is 100% captive. There are no merchant producers of TMBP coils in India and hence GPT Industries perforce has to import the same, and is the sole importer of TMBP in India. Thus there is no instance or question of any injury being caused to any Indian producers due to the import of TMBP by GPT.

#### **Submissions made by the Domestic Industry**

- 9. The submissions made by the domestic industry (DI) and considered relevant by the Authority are as follows:
  - a. Domestic industry submits that they are capable of manufacturing all the grades/types of PUC.
  - b. The interested parties have failed to substantiate their claims with evidence. Further, several exporters have raised issues on the quality of products manufactured by the domestic industry, but they have no locus to raise such issues. Such issues are credible if users in India raise them.
  - c. Many users in India, particularly in the automobile sector, have appreciated the quality of products supplied by the domestic industry. These appreciation letters and sample invoices demonstrating supply of various grades have been put on record.
  - d. Many interested parties including Maruti Suzuki India Limited have contended that all imported grades that are not manufactured by the domestic industry should be excluded from the product scope. Though such parties have annexed with their submissions a list of grades that they import, but the same have been treated as confidential. Unless such parties provide the list of grades to interested parties on non-confidential basis, the domestic industry will not be in a position to comment on the grades for which they require exclusion. In view of this, exclusions requested by such parties cannot be allowed. It is reiterated that the domestic industry is fully capable of manufacturing all the grades and specifications required by the domestic users in India.
  - e. All the exclusions requested by the interested parties are not warranted, as the domestic industry not only manufactures the same but has also supplied to users in India on a regular basis. Evidence in this regard in the form of invoices, mill test certificates and appreciation letters from users have been provided to the Authority. There is no doubt that the domestic industry is fully capable in manufacturing all the grades for which the interested parties have requested exclusion.
  - f. The domestic producers are manufacturing Tin Mill Black Plates grade.

#### **Examination by The Authority**

- 10. The submissions made by the interested parties and the domestic industry with regard to PUC related issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - a. The main thrust of the submissions by the aforementioned interested parties is three-fold: i) the domestic industry does not produce many grades covered in the product scope, ii) the domestic industry does manufacture certain grades but the quality is not suitable, and iii) for certain grades, the domestic industry does not have customer's approval. The domestic industry has filed a detailed response addressing the claims of these interested parties. The Authority has examined the response filed by the domestic industry and it is noted that the domestic industry has the capability to manufacture all the grades for which exclusions have been sought. The Authority has also during the

verification visit found that the domestic industry is manufacturing all the grades for which it got the orders and has also supplied them to users in India. Therefore, the request of various interested parties for exclusion of specific grades cannot be entertained.

- b. It has been contended by the interested parties that the product scope is too broad, vague and heterogeneous and all the products cannot be clubbed into one PUC. The Authority notes that the definition of the PUC is very precise. The interested parties have been able to examine the PUC definition and make comments on the grades/specifications that should not be part of the product scope. However, no interested party could substantiate its assertions on PUC with credible evidence. Further, no interested party has been able to demonstrate if there is a legal bar in defining the PUC in the manner as above.
- c. Moreover, the Authority notes that Rule 2(d) defines "like article" as an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. While determining the likeness of an article, the Authority looks into the raw material used, production process, end use, technical and commercial substitutability, etc.
- d. Merely because safeguard duty is levied on imports of the raw material hot-rolled steel and an anti-dumping investigation is also on-going on hot-rolled steel products, it does not mean that the domestic industry is barred from filing an anti-dumping application on cold-rolled steel products. Such assertions by the other interested parties are not legally tenable.
- e. The authority has noted that domestic producers are manufacturing Tin Mill Black Plates.
- f. With regard to the contention of the interested parties for exclusion of certain grades of steel products from the product scope, the Authority notes that these interested parties have not specified the grades, along with chemical as well as physical parameters, for which they wish to claim exemption. Hence, for the purpose of the preliminary findings, the claims for exclusion of certain grades from the PUC are provisionally rejected.
- g. As regards the contention that the PUC is too broad and vague, the Authority notes that the PUC has been appropriately defined keeping in view the imports from the subject countries and production and supply position of the domestic industry. The Authority has thoroughly examined the contentions by all parties before arriving at the product scope.
- h. In terms of Rule 6(7) and Rule 7 of the AD Rules, the Authority is obligated to provide evidence presented to it by one interested party to another interested party. If an interested party claims confidentiality on submissions and evidence, that interested party is obligated under Rule 7 to provide the same submissions and evidence in non-confidential format, but such non-confidential submissions should be meaningful so as to allow other interested parties to make comments. The Authority notes that interested parties including Maruti Suzuki India Limited have requested for exclusion of various grades from the product scope. But such exclusion lists have been claimed confidential by the interested parties. The Authority being a quasi-judicial authority has provided non-confidential submissions of such parties to the domestic industry. The Authority notes that such interested parties have not complied with Rule 7 as their non-confidential submissions are not meaningful enough so as to allow the domestic industry to offer comments on exclusions requested therein. Therefore, at this stage, the Authority has provisionally decided not to exclude such grades from the product scope.
- i. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as follows: "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. On the basis of information on record and considering the submissions made by the interested parties, the Authority provisionally holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and those imported from the subject countries. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers use the two interchangeably. The Authority provisionally holds that the products manufactured by the Applicants constitute like article to the subject goods being imported into India from the subject countries.

**C. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

11. Rule 2 (b) of the AD rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

12. The Application has been filed M/s Steel Authority of India Limited, M/s JSW Steel Limited, M/s JSW Steel Coated Products Limited and M/s Essar Steel India Limited. The production of the aforesaid four producers accounts for a major proportion of the total domestic production and is more than 50% of the Indian production. The Application has also been supported by one domestic producer, namely, Bhushan Steel Limited.

13. None of the interested parties has raised any major issue regarding the standing of the applicants. Taking into account the reported capacities and production of other known producers of the subject goods, the applicants command a major proportion of the domestic production of the subject goods in the country.

14. Therefore, the Authority holds that the applicants command a major proportion of the production of the subject goods in India and for the purpose of this investigation the applicants satisfies the standing requirement in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

**D. MISCELLANEOUS ISSUES RAISED BY INTERESTED PARTIES.**

15. Miscellaneous submissions made by various interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. The demand figures mentioned by the Petitioners in the Petition are exaggerated and not accurate. A press release obtained from SAIL website makes it clear that demand in FY 2014-15 was lower than in the previous years. Moreover, the demand for the PUC is based on data collected from a private agency and not from official sources such as Joint Plant Committee (“JPC”).
- b. The Petition is based on the data from a private agency and not from authentic data base such as JPC. The raw data is collected by a private commercial agency and may be twisted to suit requirements of its rich clients. The data has been further doctored by the Petitioners and thus not acceptable for independent investigations.
- c. The Petition does not contain information as to the captive consumption of the PUC. In the absence of such information any allegation made by the Petitioners must be considered unsubstantiated and not sufficient to make a *prima facie* case of evidence of alleged injury. No information has been provided with regard to inventories, employment wages and growth. On the basis of overall positive outlook of the Indian industry, it can be presumed that these indicators have performed well.
- d. The Petition does not contain sufficient information with regard to the reduction in capacity utilization. It is not clear from the complaint what particular mix of products the petitioners refer to.
- e. The India producers are already over protected by customs duty at 12.5%. Apart from customs duty imposed on HR Coils, the domestic producers are also protected by technical barriers on imports through Steel and Steel Products Quality Control Order. The raw material used for the PUC is under imposition of safeguard duty and the Petitioners are currently seeking anti-dumping measures on the imports of Hot rolled flat products of alloy or non-alloy steel. Moreover, minimum import price (MIP) measures are also in place. This reflects the Petitioner’s own inefficiency in openly compete in the market. The Petitioners are trying to monopolize the domestic market by seeking these protective measures.
- f. There is no further need to protect the steel industry after imposition of MIP, increase in import duty and imposition of safeguard duty. The prices of steel are on a rising trend now and major domestic steel players such as JSW Steel, Bhushan, Essar, JSPL, TATA are reported to be doing good.

- g. As per Article 3.3 of the Antidumping Agreement, Ukraine asks the Authority to consider the impact of Ukrainian imports of PUC separately from the other countries.
- h. The Petition does not provide evidence establishing that the injury suffered by the DI was caused by imports from Ukraine. The Petition merely contains allegation that the negative performance is due to dumped imports.
- i. The DI has resorted to excessive confidentiality depriving the interested parties from offering meaningful comments. Information such as production volume, domestic sales volume, inventory volume, selling price per unit in indexed, profit per unit in indexed, ROCE in percentage, employment, Proforma IV B etc. have been withheld under the garb of confidentiality.
- j. The non-confidential version of the Petition does not meet the requirements of Article 7 of the Indian Anti-dumping Rules. The Petitioners have restricted access to series of elements that is crucial for defending the position of the other interested parties.
- k. The Indian steel market is a de facto oligopoly, as the petitioners account together for 74% of the market share. The imposition of anti-dumping duties is only likely to worsen the conditions of competition, detrimental to the Indian economy and the consumers' interests. The excessive amount of trade defense instruments is not in line with the public interest.

**16. Miscellaneous submissions made by the Domestic Industry and considered relevant by the Authority are as follows:**

- a. Section 9A (3) of the Act is with reference to history of dumping of the product. Petitioners request the authority to recommend retrospective levy of anti-dumping duty on the subject goods because the conditions for retrospective levy of antidumping duty are fully satisfied.
- b. Exporters are well aware that they are resorting to dumping which is causing injury to the domestic industry since import prices of PUC have reduced significantly as evident from the landed values for respective countries.

**Examination by The Authority**

- 17. Miscellaneous submissions made by the interested parties and other miscellaneous submissions considered relevant by the authority are examined and addressed as follows:
  - a. With regard to the submission of interested parties that the demand figures are exaggerated and is not based on the official sources such as JPC, the authority notes that the petitioners have relied upon JPC data for computing the production figures, wherever necessary, and the same is clearly mentioned in the non-confidential version of the petition kept in the public file. For import related information, the petitioners have relied upon IBIS data which is a private agency. However, the preliminary findings are based upon the DGCI&S data thereby addressing the concerns of interested parties.
  - b. The interested parties have submitted that sufficient information in relation to captive consumption, capacity utilization, inventories, employment etc. is not given in the petition filed by the Domestic Industry and, therefore, the petition is unsubstantiated. In this regard, the authority notes that all the relevant information required for substantiating the petition has been provided by the petitioners.
  - c. The interested parties have submitted that the Indian Domestic Industry is seeking over-protection and that it is already enjoying various protections like safeguard duty, Quality Control Order and MIP. In this regard, the authority notes that:
    - i. No safeguard duty has been imposed on the PUC. The contention that safeguard duty has been imposed on Hot Rolled Steel Flat products which are used as input for the PUC are irrelevant.
    - ii. MIP and Anti-Dumping duty have different objectives. Existence of MIP does not debar the authority to impose anti-dumping duty if parameters of anti-dumping investigation are met. Further, existence of MIP does not mean that dumping is not taking place. It is pertinent to note that MIP is in force for a period of six months or until further orders by DGFT, whichever is earlier. This means that MIP could be revoked at any time before the six months period.

Once MIP expires, the domestic industry would be left without any protection from the dumped imports.

- iii. The existence of Quality Control Order is to ensure that certain quality parameters are met. In the present investigation, domestic industry is seeking protection against dumped imports. Existence of Quality Control Order does not lead to a conclusion that there is no dumping and consequent injury to domestic industry.
- d. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of a public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.
- e. With regard to the contention of the interested parties that imposition of anti-dumping duty will lead to monopolistic practices by the domestic industry and will be detrimental to the interest of the end consumer, the authority notes that the object of antidumping duty is to prevent the unfair trade practices and to redress its injurious effect on the domestic industry by providing them a level playing field. Moreover, imposition of anti-dumping duty neither restricts nor prevents imports.
- f. With regard to the contention of the interested parties that period of investigation should be more than 6 months, the authority notes that according to recommendation of committee on anti-dumping practices (WTO document no. G/ADP/6 dated 16 May 2000):

*“...the period of data collection for dumping investigations normally should be twelve months, and in any case no less than six months, ending as close to the date of initiation as is practicable”*

Therefore, in view of above recommendation, 6 months' period can be taken as the POI. The Authority has taken six months POI in other investigations also.

- g. As regards the request for retrospective imposition of anti-dumping duty, Section 9A(3) of Customs Tariff Act provides as follows:

*If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that*

- i. *there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and*
- ii. *the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,*

*the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section, and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.*

- h. The Authority would examine the matter concerning retrospective imposition of anti-dumping duty at the stage of the final finding.

## **E. DUMPING MARGIN**

### **Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin**

#### **1) NORMAL VALUE**

18. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
  - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
  - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

#### **Provisions relating to Non- Market Economy countries**

19. Annexure-I to AD rules states as under:

7. *In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

8. (1) *The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)*

(2) *There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a nonmarket economy country*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)*

(3) *The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

(a) *the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".

#### **Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties**

20. Various submissions made by the interested parties with regard to MET, normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - a. It is submitted that if profit making transactions are less than 20%, then the normal value should be determined on the basis of cost of production plus reasonable profit.
  - b. M/s Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works, Ukraine has filed the MET response and claims MET.

#### **Submissions made by the Domestic industry**

21. Submissions made by the domestic industry with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - a. Domestic Industry has provided evidence of selling price of product concerned in the domestic market of the subject countries.
  - b. There is sufficient reason to consider that the producers in the subject countries are dumping the subject goods. These producers have been selling the product under consideration at prices less than cost of production or domestic prices are significantly higher than the export price to India.
  - c. None of the Chinese and Ukrainian producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member countries have granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria. India has never granted MET status to producers from Ukraine.
  - d. Unless the responding producers/exporters from Ukraine and China PR conform to the standards laid down under the Rules, the Designated Authority is required to determine the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.
  - e. None of the producers/exporters from China PR has claimed market economy treatment.

#### **Examination by the Authority**

##### Market economy claims for Chinese and Ukrainian producers

22. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
23. As per Paragraph 8, Annexure I to the AD Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporters from Ukraine and China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China and Ukraine are required to furnish necessary information/sufficient evidence as

mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. The decisions of concerned firms in Ukraine and China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate

24. It is noted that none of producers of subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Accordingly, the authority is not required to examine any of the above criteria and held that producers/exporters from China PR are not operating under market economy conditions.

25. With regard to Ukraine, only M/s Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works has filed the MET response.

#### **Examination of MET claims of Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (Company), Ukraine**

26. It has been submitted by the Company that it is an Open Joint-Stock Company. The major shareholders of the company are Lasartico Holdings Limited (9.7603%) and LLC "Zaporizhstal-PC"(21.8277%). The Company is a wholly privately owned entity. Further, the company procures raw materials from related companies as under:

- e. PJSC «Zaporizhcoke»: coke, coke fines, metal scrap.
- f. Metinvest International SA: coal, coke.
- g. LLC "Metinvest Holding": iron ore concentrate.
- h. PJSC "Zaporizkyi Iron-Ore Plant": iron ore.

27. Further, it has been submitted that the suppliers of raw materials are privately owned. No public authority in Ukraine is involved in setting prices/quantities. The company negotiates prices directly with its customers. These prices are not subject to review or guidance from any governmental organization or bodies in Ukraine. Export sales to India as well as to other countries are negotiated by the Company's related entities which carry out all the necessary negotiations with potential and current customers. No other organization outside the Company reviews or approves any aspect of the sales transaction.

28. The Authority has taken cognizance of the information provided by the respondent company who has filed MET response and sought to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure 1 of the Anti-dumping Rules. However, the Authority notes that none of the related companies which are involved in procurement of raw materials and sales of subject goods has filed MET response and failed to provide sufficient evidence to establish their market economy claim. Pending examination of the issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, evaluation of assets, land use rights, the Authority is of the view that respondent company cannot be granted market economy status at this juncture for the preliminary determination of its Normal Value. In view of the above position, the Authority does not grant market economy treatment to the above stated respondent company at this juncture for the purpose of preliminary findings pending verification.

**Determination of Normal Value**

29. The Authority sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following parties have filed exporter questionnaire responses:

**I. Korea**

1. Kowon Trading Corp (Trader)
2. Dongkuk Industries Co. Ltd (Producer)
3. Samsung C&T Corporation- (Trader)
4. Hyundai Steel Company (Producer)
5. P&A Corporation (Trader)
6. LG International Corp. (Trader)
7. Hyundai Corporation (Trader)
8. POSCO Daewoo Corporation (Trader)
9. POSCO Asia Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
10. POSCO Korea (Producer)
11. POSCO Processing & Service Co. Ltd. (Trader)

**II. Ukraine**

12. Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works (Producer)
13. Metinvest- SMC LLP
14. Metinvest International SA (Trader) (Switzerland)

**III. China PR**

15. Xinsa International Pte. Ltd. (Trader) (Singapore)
16. Zhnagjiagang Yantgtze River Cold Rolled Sheet Co. Ltd. (Producer)
17. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd. (Trader)
18. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
19. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
20. Angang Steel Company Limited (Producer)
21. Angang Group Hong Kong Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
22. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (Producer)
23. Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader) (Singapore)

**IV. Japan**

24. Nissan Trading Co. Ltd. (Trader)
25. Sumitomo Corporation (Producer)
26. Honda Trading Corporation (Trader)
27. Ohmi Industries (Trader)
28. Kanematsu Corporation (Trader)
29. JFE steel Corporation (Producer)
30. Nisshin steel Co. Ltd. (Producer)
31. Nippon Steel and Sumitomo Metal Corporation (Producer)
32. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)

33. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
34. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)
35. Mitsui & Co. Ltd. (Trader)
36. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
37. Metal One Corporation (Trader)

#### **Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR and Ukraine**

30. It is noted that none of the producers of subject goods in China PR have claimed market economy treatment. Therefore, in view of the facts placed on record by the domestic industry for the purpose of the provisional findings, the Authority has adopted the constructed normal value for determination of the normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.
31. Further, the Authority notes that sole cooperating producer from Ukraine has not been found to be operating under market economy condition for determination of normal value in Ukraine in terms of the AD Rules. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Ukrainian Company and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules.

#### **Methodology for determination of normal value for producers and exporters in China PR and Ukraine**

32. In view of the above, the normal value for China PR and Ukraine is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the anti-dumping Rules. As per the provisions of Para 7 of Annexure I, the normal value in China PR and Ukraine is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
33. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Designated Authority has constructed the normal value for China PR and Ukraine on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Value for all the producer/exporters of the subject goods from China PR and Ukraine has been provisionally determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP and Japan**

##### **General Methodology for working out Normal Value**

34. It was first determined by the Authority whether the total domestic sales of the subject goods by the producers/exporters in these subject countries were representative when compared to exports of the subject goods to India.
35. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Para 2 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Wherever the producers/exporters have provided transaction wise details of sales made in home market and same has been accepted by the Authority, the said information has been relied upon to determine the normal value of the subject goods sold in their home market.
36. For conducting ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the information provided by the producers/exporters and compared with domestic selling price to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. The authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of normal value for the cooperating producers/exporters where profit making transactions are more than 80% and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

**Korea RP****Normal Value for cooperating exporters****Normal Value for M/s Hyundai Steel Company (“Hyundai Steel”) Korea RP, (Producer)**

37. During the POI, Hyundai Steel has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties as under:

RELATED PARTIES	QUANTITY(MT)	%	RESPONSE FILED
1. ***	***	***	No
2. ***	***	***	No
3. ***	***	***	No
TOTAL DOMESTIC SALES RELATED	***	***	
UNRELATED PARTIES	***	***	
TOTAL DOMESTIC SALES	***	100%	

38. The authority notes that none of the above mentioned related parties have filed questionnaire response. However, it is also noted that approximately \*\*\*% of the domestic sales have been made to non-affiliated parties during the POI. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from related companies in Korea RP. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of credit cost, warehouse expenses & inland freight and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, provisional weighted average normal value at ex-factory level for Hyundai Steel has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for M/s POSCO, Korea RP (Producer)**

39. During the POI, POSCO has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties as under:

PARTICULARS	QUANTITY (MT)	%	RESPONSE FILED
UNRELATED PARTIES	***	***	
RELATED PARTIES			
1. ***	***	***	NO
2. ***	***	***	YES
3. ***	***	***	NO
TOTAL RELATED PARTIES	***	***	
GRAND TOTAL	***	100.00%	

40. The authority notes that none of the above mentioned related parties except \*\*\* has filed the questionnaire response. However, it is also noted that more than \*\*\*% of the domestic sales have

been made to non-affiliated parties during the POI. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from the related companies in Korea RP. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. Accordingly, all the domestic sales transactions have been considered for determination of the normal value. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

41. POSCO has claimed adjustment on account of discount, warehousing, inland freight, packing cost, warranty cost, credit expense, indirect selling expenses & level of trade. The authority has not accepted the adjustments for warranty cost, indirect selling expenses & level of trade for the purpose of the provisional findings. Accordingly, the provisional weighted average normal value at ex-factory level for POSCO has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for M/s Dongkuk Industries Co. Ltd. (Producer)**

42. During the POI, M/s Dongkuk Industries Co. Ltd (DKI) has sold \*\*\* MT of the subject goods in the domestic market having invoice value \*\*\* million KRW. All sales in the domestic market were made to non-affiliated parties during the POI. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
43. DKI has claimed adjustment on account of credit cost & inland freight and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, the provisional weighted average normal value at ex-factory level for DKI has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

44. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Korea RP, the Authority has determined the provisional weighted average normal value at ex-factory level on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for Japan**

##### **Normal Value for M/s JFE Steel Corporation Japan (Producer) (“JFE”)**

45. During the POI, JFE has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties as under:

COMPANY	QTY MT	%	RESPONSE FILED
UNRELATED PARTIES	***	***	
RELATED PARTIES			
1. ***	***	***	NO
2. ***	***	***	NO
3. ***	***	***	NO
4. ***	***	***	YES

5. ***	***	***	NO
TOTAL RELATED PARTIES	***	***	
GRAND TOTAL	***	100.00%	

46. The authority notes that none of the above mentioned related parties except JFE Shoji Trading has filed their response. However, it is also noted by the authority that domestic sales made to non-cooperating related parties are insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from the related companies. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.

47. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

48. JFE has claimed adjustment on account of discounts, inland freight and storage cost. The authority has provisionally accepted all the adjustments for the purpose of the provisional findings. Accordingly, the provisional weighted average normal value at ex-factory level for JFE has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for M/s Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (“NSSMC”)**

49. During the POI, NSSMC has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties as under:

RELATED	QTY (MT)	%	RESPONSE FILED
1. ***	***	***	NO
2. ***	***	***	YES
3. ***	***	***	NO
4. ***	***	***	NO
5. ***	***	***	YES
6. ***	***	***	NO
7. ***	***	***	NO
<b>TOTAL DOMESTIC SALES- RELATED PARTIES</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	
<b>UNRELATED PARTIES</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	
<b>GRAND TOTAL DOMESTIC SALES</b>	<b>***</b>	<b>100.0%</b>	

50. The authority notes that none of the above mentioned related parties except Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation and Nippon Steel & Sumikin Pipe Co. Ltd, has filed their response. It is also noted by the authority that the domestic sales made to non-cooperative related parties are insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from the related companies. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.

51. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered

all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

52. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, rebate, early payment, inland freight, insurance, credit cost, storage and handling. The authority has provisionally accepted all the adjustments for the purpose of the provisional findings. Accordingly, the provisional weighted average normal value at ex-factory level for NSSMC has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Nissin Steel Co. Ltd.**

53. The authority notes that Nissin Steel Co. Ltd (“NSC”) has submitted the exporters’ response claiming to be producer of subject goods and informed that it has exported the subject goods through traders in Japan. However, the authority notes that NSC has not submitted any details about domestic sales/export to India in Appendix-1/ Appendix-2 and other costing information. NSC has submitted only Appendix-2A and 2B which are also grossly incomplete. Therefore, the authority is unable to determine the normal value and export price for NSC in the absence of any information and rejects the response filed by NSC. Accordingly, the normal value and export price for NSC is based on the facts available with the authority and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Japan**

54. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Japan, the Authority has determined the provisional weighted average export price for the subject goods on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

## **2) EXPORT PRICE**

### **Export Price for Korea RP**

#### **Export Price for M/s Hyundai Steel Company, Korea RP, (Producer) along with M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s LG International Corp. and M/s P&A Corporation, Korea RP (Exporters/Traders).**

55. M/s Hyundai Steel, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed a questionnaire response along with its unrelated trading companies’, namely, M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s. LG International Corp. and M/s P&A Corporation, Korea RP. These trading companies exported the subject goods to India manufactured by the Hyundai Steel during the POI. All of these Exporters/Traders have filed their Questionnaire responses with the Designated Authority. The quantity of PUC exported to India is as under:

EXPORTS TO INDIA	QTY (MT)	%	RESPONSE FILED
DIRECT EXPORTS BY M/S HYUNDAI STEEL TO RELATED IMPORTER HYUNDAI STEEL INDIA PRIVATE LIMITED	***	***	YES
M/S HYUNDAI CORPORATION	***	***	YES
M/S. LG INTERNATIONAL CORP	***	***	YES
M/S P&A CORPORATION,	***	***	YES
TOTAL EXPORTS TO INDIA	***	100.00%	

56. The export sales of Hyundai Steel directly and through cooperating unrelated trading companies are on FOB/CFR/CIF basis. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, handling charge, insurance fee, bank charge and credit expenses and the same have been allowed provisionally. Further, the authority notes that Hyundai Corporation has exported the subject goods to India to its related company POS-Hyundai at a loss or at a price which does not recover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses and profit. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for Hyundai Steel and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export price for M/s POSCO Korea RP, (Producer) along with M/s Hyundai Corporation, M/s LG International Corp., M/s POSCO Asia Co., Ltd, M/s POSCO Processing & Service Co., Ltd., (POSCO P&S), M/s POSCO Daewoo, M/s Samsung C&T (Exporters/Traders).**

57. M/s POSCO, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, M/s Hyundai Corporation, M/s LG International Corp., M/s POSCO Asia Co., Ltd., M/s POSCO Processing & Service Co., Ltd. (POSCO P&S), M/s POSCO Daewoo, M/s Samsung C&T who have exported the subject goods to India manufactured by the POSCO. POSCO has also made direct exports to its related company in India, POSCO Maharashtra during the POI. The details are as under:

PARTICULARS	QUANTITY (MT)	%	RESPONSE FILED
UNRELATED PARTIES	***	***	
RELATED PARTIES	***	***	
POSCO ASIA CO., LTD.	***	***	YES
POSCO DAEWOO	***	***	YES
POSCO P&S	***	***	YES
POSCO-ESI	***	***	YES
POSCO-MAHARASHTRA	***	***	YES
GRAND TOTAL	***	100.00%	

58. The export sales of POSCO through its cooperating unrelated/relating trading companies are on FOB/C&F basis. POSCO has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, handling charge, packing cost and credit expenses and the same have been allowed provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for POSCO at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, (Producer) through traders POSCO Daewoo and Kowon Trading Corp, Korea**

59. During the POI, M/s Dongkuk Industries Co. Ltd (DKI) has exported 2740 MT of the subject goods as under:

Traders	QTY (MT)	%	RESPONSE FILED
3. POSCO DAEWOO	***	***	YES
4. KOWON TRADING	***	***	YES
DIRECT EXPORTS TO INDIA	***	***	
TOTAL	***	100.0%	

60. From the information provided to the authority, the authority notes that DKI has exported the subject goods through traders POSCO Daewoo and Kowon Trading. From the response filed by POSCO Daewoo, the authority notes that POSCO Daewoo has exported all the quantity to its related company POSCO ICPC, which has not cooperated with the authority. It is also noted that export to India made through non-cooperative related/unrelated parties are insignificant in terms of total exports to India. Therefore, the authority provisionally accepts the exports to India sales subject to verification and further information from related companies. The export sales of DKI through its cooperating unrelated trading companies are on FOB/C&F/CIF basis. DKI has claimed adjustment on account of commission, inland freight, ocean freight, handling charge, insurance, packing cost and credit expenses and the same have been allowed provisionally. Further, the authority notes that POSCO Daewoo has exported the subject goods to India to POSCO ICPC at a loss or at a price which does not recover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses and profit. Accordingly, the provisional weighted average export price determined for DKI at ex-factory level has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Export Price for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

61. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Korea RP, the Authority has determined the provisional weighted average export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Export Price for Japan**

##### **Export Price for M/s JFE Steel Corporation Japan (Producer)**

62. JFE has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies' through JFE Shoji Trade Corporation, Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Nissan Trading Co. Ltd, Ohmi Industries, Mitsui & Co. Ltd, Japan and Metal One Corporation, Japan. The details is as under:

PARTIES	QTY(MT)	%	RESPONSE FILED
JFE SHOJI TRADE CORPORATION	***	***	YES
HONDA TRADING	***	***	YES
METAL ONE CORP	***	***	YES
MITSUI & CO.,	***	***	YES
NISSAN TRADING	***	***	YES
OHMI INDUSTRIE	***	***	YES
GRAND TOTAL	***	100%	

63. Therefore, the authority provisionally accepts the exports of the subject goods to India subject to verification. JFE has not reported all terms of delivery and explanations in its response and no adjustments have been claimed from the export price. The authority notes that whereas other producers have claimed adjustments from export price, no adjustments have been claimed by JFE. Therefore, the authority has made provisional adjustments from export price on the basis of information provided by other cooperating exporters from Japan. Further, the authority notes that some of the traders have exported the subject goods to India at a loss or at a price which does not recover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses also. Accordingly, the provisional weighted average export price determined for JFE at ex-factory level has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (“NSSMC”), Japan through Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan and Toyota Tshusho Corporation, Japan (Exporters/Traders)**

64. NSSMC has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies' namely, Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan and Toyota Tshusho Corporation, Japan, who have exported the subject goods to India manufactured by the NSSMC. The details are as under:

PARTIES	QTY(MT)	%	RESPONSE FILED
NIPPON STEEL & SUMIKIN BUSSAN CORPORATION (RELATED)	***	***	YES
UNRELATED TRADERS	***	***	
HONDA TRADING CORPORATION	***	***	YES
KANEMATSU CORPORATION	***	***	YES
MARUBENI-ITOCHU STEEL INC.	***	***	YES
METAL ONE CORPORATION	***	***	YES
MITSUI & CO., LTD.	***	***	YES
SUMITOMO CORPORATION	***	***	YES
TOYOTA TSUSHO CORPORATION	***	***	YES
TOTAL EXPORTS TO INDIA	***	100%	

65. The export sales of NSSMC through its unrelated/related trading companies are on FOB basis. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, credit cost, warranty, inland freight, insurance, storage and handling and the same have been allowed provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for NSSMC and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Japan**

66. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Japan, the Authority has determined the provisional weighted average export price for on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for China PR**

**M/s Angang Steel Company Limited, China PR (Producer) through related company M/s Angang Group Hong Kong Co., Ltd. , Hong Kong (Exporter/Trader).**

67. From the information submitted by M/s Angang Steel Company Limited (“Angang”), the authority notes that Angang has exported the subject goods to India through related exporter/trader M/s Angang Group Hong Kong Co., Ltd. (“Angang HK”). The sales to Indian customers are on FOB/ CFR basis. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges/customs fee, ocean freight and commission and the same have been allowed. The authority has made further adjustment on account of non-refundable VAT provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for Angang at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd. (Yangtze), (Producer) through related companies M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International), M/s Xinsha International PTE LTD (Xinsha), M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., and M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd., (Exporters/Traders).**

68. M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd. (Yangtze), is a producer/manufacturer of subject goods from China PR and has exported the subject goods to India during the POI. Yangtze has sold subject goods to India through related exporter/trader M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., who has then sold the subject goods to M/s Xinsha International PTE LTD (Xinsha). Xinsha ultimately exported the subject goods to India through two another exporters/traders, namely, M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd. and M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. The sales to Indian customers are on CFR basis and the total quantity exported to India has been considered. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges/customs fee, ocean freight and non-refundable VAT and the same have been allowed. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for Yangtze at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., (Producer) through Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader) (Singapore)**

69. It is submitted by M/s Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (“Baoshan”) that the company has exported the subject goods through its related trader Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader) (Singapore) to India. Baoshan has not submitted any information in Appendix-2. Therefore, the authority in the absence of any information is unable to determine export price for Baoshan. Accordingly, the export price for Baoshan is based on the facts available with the authority.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from China PR**

70. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined the provisional weighted average export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price of Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (Producer), Ukraine exported though Metinevest International SA.**

71. From the information submitted by M/s Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (“Zaporizhstal”), the authority notes that Zaporizhstal has exported the subject goods to India through related exporter/trader M/s Metinevest International SA. The sales to Indian customers are on FOB basis. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight only and the same have been allowed. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for Zaporizhstal at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Ukraine**

72. The Authority notes that no other producer/exporter from Ukraine has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Ukraine, the Authority has determined the provisional weighted average export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**3) DUMPING MARGIN**

73. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporter and accepted by the Authority) has been compared with the normal value to determine the dumping margin. The dumping margin during the POI for all the exporters/producers from the subject countries has been determined as shown in the Dumping Margin Table below.

**Dumping Margin Table**

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
1.	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	5. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP 6. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 7. M/s LG International Corp, Korea RP. 8. M/s P&A Corporation, Korea RP	***	***	***	***	0-10
2.	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s LG International Corp., 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s POSCO Asia Co. Ltd, Hong Kong 7. POSCO Processing & Service Co., Ltd., Korea RP	***	***	***	***	50-60
3.	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	4. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 5. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 6. Kowon Trading Corp, Korea	***	***	***	***	0-10
7.	Japan	JFE Steel Corporation	7. JFE Shoji Trade Corporation, Japan, 8. Honda Trading Corporation, Japan, 9. Nissan Trading Co. Ltd, 10. Ohmi Industries Ltd, Japan 11. Mitsui & Co. Ltd, Japan 12. Metal One Corporation, Japan.	***	***	***	***	30-40
5.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	9. Honda Trading Corporation, Japan 10. Kanematsu Corporation Ltd, Japan 11. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 12. Metal One Corporation, Japan 13. Mitsui & Co. Ltd, Japan 14. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 15. Sumitomo Corporation, Japan 16. Toyota Tshusho Corporation, Japan	***	***	***	***	80-90
6.	China PR	M/s Angang Steel Company Limited	1. M/s Angang Group Hong Kong Co. Ltd, Hong Kong 2. LG International Corp., Korea RP	***	***	***	***	30-40
7.	China PR	M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd.	5. M/s JiangsuShagang International Trade Co., Ltd., China PR, 6. M/s Xinsha International Pte Ltd, Singapore 7. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong	***	***	***	***	80-90

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
			8. M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd, Hong Kong					
8.	Ukraine	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works PJSC	Metinvest International SA, Switzerland	***	***	***	***	40-50

#### **Dumping Margin for other producers and exporters from the subject countries**

74. The Normal Value and export price to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best information available. The information provided by the responding exporters has been adopted for the purpose. The dumping margin so worked out is mentioned in the table below.

Particulars	UOM	Japan	Korea RP	China PR	Ukraine
Normal Value	US\$/MT	***	***	***	***
Net Export Price	US\$/MT	***	***	***	***
Dumping Margin	US\$/MT	***	***	***	***
Dumping Margin %	%	***	***	***	***
Dumping Margin % Range	% Range	80-90	90-100	80-90	40-50

75. It is seen that the dumping margins are quite significant and more than the limits prescribed under the Rules in respect of the exports made by all the producers-exporters of the product under consideration from the subject countries.

#### **B. INJURY**

##### **Submissions made by exporters, importers, users and user associations**

76. The submissions made by the interested parties with regard to injury related issues and considered relevant by the authority are as follows:

- Indian producers have not reduced prices in line with the global and the domestic prices of the declining raw material costs. It is not the cheap imports but high domestic prices of Cold Rolled Coils which have hit the Indian manufacturing sector and the Indian economy.
- The main reason for the cheap imports was steep fall in the domestic and global prices of iron ore, coking coal, lubricants etc.
- Misleading information has been provided by the domestic industry on return on investments. The fall in ROCE in the current case is likely on other factors including investments made by the interested companies in recent times which have not generated returns but soon will. The injury information provided in Proforma IVA suggests that DI has not suffered any injury on account of continued imports.
- The Petition does not contain sufficient evidence of the negative impact of the allegedly dumped imports on the DI. Production increased by 23%, domestic sales increased by 13%, market share increased by 4%, capacity increased by 45%, capital employed increased by 50% and export sales increased 2.5 times during April 2015-Dec 2015(A) as compared to April 2012-March 2013. The indicators definitely prove the stable and positive development of the Petitioners.
- The overall production and the share of the domestic production of the petitioners increased during the investigation period. The domestic sales of the petitioners also increased by 9% from the

beginning to the end of the investigation period. The market share of the petitioners increased with a trend comparable to the increase in domestic sales. Therefore, the information contained confirms that the DI is not suffering any injury.

- f. As per the publicly available information of the Petitioners, the companies are not suffering any injury and are doing well. SAIL has plans for making strategic investments and makes plan for consolidating its position. Essar Steel points to a positive situation and the company has registered a positive trend with regard to the domestic consumption of steel. JSW Steel acknowledges that “sales of cold rolled products surged by 54% in FY 2014-15 compared to FY 2013-14. Therefore, Metinvest draws the attention of the authority that the concerned companies themselves have not suffered injury but have actually registered positive performance.
- g. The reasons for alleged injury to the DI are due to high debt, underutilization and lower export prices, vis-à-vis, the domestic prices. Even if the entire Indian demand is met by the Petitioners, there would be huge excess unutilized capacity in India. The Authority must investigate the burden of such excess capacities on costs before concluding injury. Production of the Petitioners remained stable over the years and no adverse impact appears to have been caused to the production.
- h. It is apparent that the injury to the DI is self-inflicted and not due to imports. Massive indiscreet investments in India, loss making ventures beyond financial capacity, distorted debt equity ratio and heavy interest burden have resulted in poor performance of some of the producers. Moreover, the DI has neglected technological upgradation for cost reduction and product development.
- i. Any injury allegedly suffered by the Petitioners is due to factors other than imports from the subject countries. FTAs with other WTO members, overcapacity in China, overall negative outlook of the world steel industry, decrease in exports of steel from India and various negative factors relating to specific companies, viz., SAIL, Essar Steel, JSW Steel etc. may have had negative impact on the Indian domestic production.
- j. The information in the application as claimed by the applicants shows that the demand for the product has recorded significant decline. This shows that there is no causal link between alleged dumped imports and injury to the domestic industry. Any continued injuries are on account of other factors such as decline in demand.
- k. There is a strong competition in the domestic market amongst the domestic producers. Furthermore, SAIL denounced in its Annual Report the increasing competition from domestic and international steel companies located in India. Increase in the interest cost and cost of sales cannot be attributed to the influence of imports. Thus, competition amongst the domestic producers and growth in costs should be considered as other factors within the meaning of Article 3.5 of the Antidumping Agreement.
- l. The imports of Cold Rolled sheets/coils rose in July-September 2015 due to sharp fall in the production of HR Coils- the base material necessitating higher imports by the manufacturing sector. Production of the PUC declined due to expansion and maintenance works at SAIL and the imports had no role in decline in the production.
- m. The complaint by the Petitioners is deficient concerning the very existence of price depression. The Petition neither provides evidence as to the effects caused by imports from the single countries nor adequate evidence to substantiate the claim that the DI has suffered injury.
- n. As per the import statistics procured from International Trade Centre (based on UN COMTRADE), in 2015-16, Ukraine's share of imports in the total import was 2.48%, i.e., it should be deemed negligible within the meaning of Article 5.8 of the Antidumping Agreement. In 2015-16, imports from Ukraine halved as compared to previous years. Therefore, there was no significant increase in imports from Ukraine which could have caused injury to the domestic producers.
- o. Ukrainian imports are decreasing and are countercyclical with regard to imports from other sources. Imports from Ukraine do not represent a threat to the DI and are already decreasing even without imposition of anti-dumping duties. The impact of Ukrainian import should be decumulated from that of imports from other sources. Moreover, the imports from Ukraine are likely to decrease after stabilization of security situation in the country.

### **Submissions made by the Domestic Industry**

77. The authority has taken into consideration the relevant submissions of the petitioners made in the application filed with the authority.

### **Examination by the Authority**

78. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:

- a. The interested parties have made submission that the prices of raw materials have declined and consequently there is a fall in prices of the subject goods. In this regard, the authority notes that the domestic industry has already decreased its prices in line with decrease in its cost of production.
- b. The Authority further notes that landed values of imports of the subject goods from the subject countries have declined much more than the decline in raw material prices and the domestic industry has been forced to match such low prices causing injury to the domestic industry.
- c. Various interested parties have contended that the increased quantities of imports for PUC were due to the fact that the production of Hot Rolled products, which are used as input raw material for producing the PUC, have reduced sharply during the POI. The authority notes that the contention of the interested parties is not correct. The production of Hot Rolled flat products in India have remained stable.
- d. It has been argued that the imports from Ukraine are negligible and there is no significant increase in the imports from Ukraine during 2015-16 which could cause injury to the domestic industry. The authority notes that the share of imports from Ukraine in total imports of the PUC into India is above de-minimis. Further, after detailed examination, it is found that the increase in total imports of PUC from the subject countries has caused injury to the domestic industry.
- e. Interested parties have submitted that the injury suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including increased interest burden, lower export prices, indiscreet investments in India, loss making ventures, high fixed cost burden, high freight cost, lack of technological upgradation, raw material crisis, underutilized capacities and inability to meet the quality requirements of specific downstream industry. The authority notes that these claims are very general and unsubstantiated. On detailed examination, the authority found that the domestic industry has suffered injury due to increased quantities of dumped imports coming into India from the subject countries. It is also noted that the infrastructure and capacities are in place with the domestic industry to meet the demand of the subject goods. Further, detailed analysis of various injury parameters and causal link are discussed hereunder.

### **Cumulative Assessment**

79. Article 3.3 of WTO agreement and Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

80. The Authority notes that:

- a) The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.

- b) The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

81. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from the exports of the subject goods from the subject countries.

82. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

#### **Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry**

##### **Assessment of Demand**

83. The demand of subject goods has been determined by adding the domestic sales of Indian producers of like product with the imports of the subject goods from all countries. For the purpose of present injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The Authority notes that demand of subject goods increased over the injury period as can be shown in the table below:

<b>Particulars (Qty. in MT)</b>	<b>2012-13</b>	<b>2013-14</b>	<b>2014-15</b>	<b>April 2015- Dec 2015 (A)</b>	<b>POI (Jul 2015- Dec 15)</b>	<b>POI (A)</b>
Total Import from subject countries	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
Imports from other countries	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
Total Imports	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
Domestic Sales of Petitioners	17,72,143	17,93,934	19,66,473	19,96,730	9,66,568	19,33,136
Domestic Sales of Supporters	4,96,965	5,16,368	4,64,625	5,59,434	2,92,715	5,85,430
Domestic Sale of other producers	24,69,727	22,61,061	21,93,144	19,14,871	9,30,988	18,61,977
Total Demand	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656

##### **Import Volumes and Share of Subject countries**

84. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject good from the subject countries has been analyzed as under:

<b>Particulars</b>	<b>Unit</b>	<b>2012-13</b>	<b>2013-14</b>	<b>2014-15</b>	<b>April 2015-Dec 2015 (A)</b>	<b>POI (Jul 2015-Dec 15)</b>	<b>POI (A)</b>
China PR	MT	2,64,420	1,06,642	2,84,094	2,33,478	1,62,172	3,24,343
Japan	MT	3,04,308	2,59,711	2,50,269	3,75,895	2,02,561	4,05,122
Korea	MT	5,79,507	6,50,815	6,99,157	8,10,760	5,15,799	10,31,598
Ukraine	MT	50,008	52,699	1,33,912	1,18,789	38,781	77,562
Other	MT	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
Total Imports	MT	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113

<b>Particulars</b>	<b>Unit</b>	<b>2012-13</b>	<b>2013-14</b>	<b>2014-15</b>	<b>April 2015-Dec 2015 (A)</b>	<b>POI (Jul 2015-Dec 15)</b>	<b>POI (A)</b>
Total Import from subject countries	MT	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
Trend	Indexed	100	89	114	128	77	153
Imports from other countries	MT	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
Trend	Indexed	100	46	73	49	22	44
Total Imports	MT	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
Trend	Indexed	100	82	107	115	67	134
Total Demand in India	MT	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
Trend	Indexed	100	93	100	99	51	102
Imports from Subject Countries relative to consumption		19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
Production of Petitioners	MT	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,849.93	22,92,142	45,84,284
Trend	Indexed	100	106	122	124	59	117
Imports from Subject Countries relative to petitioners' total production		30.6%	25.8%	28.5%	31.7%	40.1%	40.1%

85. The Authority notes as under from the above table:

- Dumped imports of the subject goods from subject countries have increased in absolute terms from 11,98,244MT in 2012-13 to 18,38,625 in POI (A).
- Dumped imports of the subject goods from subject countries have increased in relation to petitioners' production from 30.6% in 2012-13 to 40.1 % in the POI (A).

c. Dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in relation consumption in India from 19.4% in 2012-13 to 29.0% in POI (A).

86. It is, thus, concluded that imports of the PUC from the subject countries have increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

#### **Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**

87. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

*"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."*

88. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

#### **Price Undercutting**

89. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. The domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

Price Undercutting	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015	POI (Jul 2015-Dec 15)
Landed Value	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	97	74	69
Domestic Selling Price	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	99	82	80
Price Undercutting	Rs. /MT	(***)	(***)	(***)	***	***
Price Undercutting	%	(***)	(***)	(***)	***	***
Price Undercutting	%	(10) to 0	(20) to (10)	(10) to 0	0 to 10	0 to 10

Price Undercutting	July 15 to Dec 15	China PR	Japan	Korea	Ukraine	Subject Countries
Landed Value	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Domestic Selling Price	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	0 to 10	(10) to 0	0 to 10	0 to 10	0 to 10

90. The Authority notes that during the POI, price undercutting exists for the subject countries except Japan, but is also of the opinion that for a proper examination, price undercutting should be examined in conjunction with price depression and price suppression and that price undercutting should not be examined in isolation in a situation where the Domestic Industry has been constantly forced to reduce its prices to match with the landed value of imports. If the Domestic Industry does not respond to imports by bringing down its prices, it will lose more customers and the injury would be more severe.

#### **Price Underselling**

91. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Particulars	UOM	Japan	Korea RP	China PR	Ukraine
Weighted average-Non injurious price	Rs/MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs/MT	***	***	***	***
Price Underselling	Rs/MT	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	10-20	20-30	20-30	25-35

92. It is seen that the landed price of the subject goods from subject countries were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

#### **Price Suppression/Depression**

93. In order to determine whether the dumped imports are suppressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015	POI (July 2015-Dec 15)
Cost to make and sell	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	101	93	92
Domestic Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	99	82	80
Landed Value		***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	97	74	69

94. The authority notes that the cost to make and sell have declined by 8 indexed points during the POI as compared to 2012-13. On the other hand, the selling price has declined by 20 indexed points during the same period which is much higher than the reduction in cost to make and sell. It is observed that due to a significant decline in landed value of 31 indexed points from 2012-13 to the POI, the domestic industry has been forced to reduce its selling price. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry in the market.

**Economic parameters of the domestic industry**

95. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

**Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales**

96. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Installed Capacity	MT	61,48,000	72,21,716	89,20,404	89,20,404	44,77,750	89,55,500
Total production	MT	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,850	22,92,142	45,84,284
Capacity Utilisation		63.65%	57.49%	53.69%	54.36%	51.19%	51.19%

97. The authority notes that capacity utilization of the domestic industry has declined from 63.65% during 2012-13 to 51.19% during the POI. The domestic industry has been able to achieve best capacity utilisation of 63.65% during 2012-13. It is observed that due to increased quantities of dumped imports of the PUC into India, the domestic industry has not been able to utilise its spare capacity.

**Profits, profitability, return on investment and cash profits**

Profit/ (Loss)	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Profit	Rs. Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(449)	(301)	(1,144)	(594)	(1,189)
Profit/MT	Rs./MT	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(443)	(271)	(1,015)	(1,090)	(1,090)

Cash Profits	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Cash Profits	Rs. Lacs	***	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	(188)	(50)	(668)	(351)	(702)
Cash Profit/MT	Rs./MT	***	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	(186)	(45)	(593)	(644)	(644)

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
ROCE	***%	***%	***%	(***)%	(***)%	(***)%
Trend	100	46	91	(48)	(58)	(58)

98. It is observed from the above table that the return on capital employed has been significantly affected. Due to increased quantities of dumped imports, the domestic industry is unable to earn a reasonable return on its investments. It is also noted that the cash profits have turned into cash losses and the situation only worsened during the POI.

#### Market Share

99. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Demand (MT)	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
Indexed	100	93	100	99	51	102
Market Share						
Share of Petitioners	28.6%	31.2%	31.8%	32.5%	30.5%	30.5%
Share of Supporters	8.0%	9.0%	7.5%	9.1%	9.2%	9.2%
Share of Other Producers	39.9%	39.3%	35.5%	31.2%	29.4%	29.4%
Share of Subject countries	19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
Share of Other countries	4.1%	2.0%	3.0%	2.0%	1.7%	1.7%

100. The market share of the Domestic Industry has decreased during POI in comparison to the immediately preceding period even though demand for the subject goods has been rising in India during the same period. This is due to the reason that the imports have aggressively captured the increase in demand.

101. The market share of import from the subject countries has constantly been increasing.

#### Growth

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15 (A)	POI(A)
Production	%	6%	15%	1%	-5%
Market Share	%	9%	2%	2%	-6%
Cost of Production	%	3%	-2%	-7%	-1%
Selling Price	%	-1%	0%	-17%	-3%
Loss per unit	%	343%	-39%	274%	7%
Return on Capital Employed	%	-54%	-19%	-230%	-21%

102. The Authority notes that the growth of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity utilization, profits, return on investment and cash profits remained negative during the entire injury investigation period. The situation worsened during the POI (A), despite positive growth in demand for the PUC in the country. On the whole, the growth of the domestic industry has been negative over the injury period.

#### **Ability to raise capital investments**

103. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the domestic industry has made investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and further investment may get adversely affected.

#### **Level of dumping & dumping margin**

104. It is noted that imports from the subject countries are entering into the country at dumped prices and that the margins of dumping are significant.

#### **Factors Affecting Domestic Prices**

105. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc., shows that the landed value of imported material from the subject countries, except Japan, is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price under-cutting, price under-selling, price suppression and price depression in the Indian market. Thus, the primary factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from the subject countries.

#### **Conclusion on injury**

106. It is thus seen that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms. The imports have increased significantly in relation to consumption and production of the product in India. Imports have thus increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression, price depression and price under-cutting. Effect of dumped imports has been to reduce the domestic prices of the subject goods. Low priced dumped imports have forced the domestic industry to fetch a market price which could not even cover its cost. The domestic industry is suffering significant price underselling. There exists significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming in India. The dumping margin determined by the Authority is quite significant. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from the subject countries have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of production, domestic sales, capacity utilization, market share, profits, cash profits and return on investment. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. Thus, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

#### **Causal Link**

107. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry has been done as follows:

#### **Imports from third countries**

108. The imports from countries other than subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the domestic industry. Moreover, the price at which goods are coming from other countries is much higher than the price at which goods are coming from subject countries.

#### **Contraction in demand**

109. The demand for the subject goods has shown an increasing trend. Accordingly, fall in demand cannot be the reason for injury to the domestic industry. In fact, the domestic industry has not been able to increase its sale and market share commensurate to increase in demand.

### **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

110. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

### **Developments in technology**

111. The technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor of causing injury to the domestic industry.

### **Changes in pattern of consumption**

112. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

### **Export performance**

113. Claimed injury to the domestic industry is not on account of possible significant deterioration in export performance of the domestic industry. In fact, exports by the domestic industry have not materially declined. In any case, the domestic industry has considered domestic performance wherever possible.

### **Performance of the domestic industry with respect to other products**

114. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

### **Productivity of the domestic industry**

115. The Authority notes that deterioration in productivity has not caused injury to the domestic industry.

### **Factors establishing causal link**

116. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation. Imports of the PUC from the subject countries have increased in absolute terms.
- Imports of the subject goods have increased relative to production and also relative to consumption in India.
- Market share of the dumped imports from subject countries has increased.
- The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
- There is significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming into India.
- The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. The return on capital employed, net profits and cash profits have followed a negative trend during the entire injury period and the losses have further increased during the POI.

117. The above analysis indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.

### **Conclusion on Injury and Causation**

118. From the above examination of injury and causal link, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject countries. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in

India. The dumped imports have had significant adverse effect on the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject countries has been determined and is considered significant. Dumped imports from the subject countries have adversely impacted production, sales and capacity utilization. Market share of the subject imports has significantly increased. Performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on investments. The Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumped imports from the subject countries.

119. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry and compared with the landed values of the subject imports of the responding exporters to determine the injury margin. The injury margin so determined has been considered for determination of weighted average injury margin. The injury margins have been determined as follows:

#### Injury Margin

S.No.	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Price	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
1.	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 3. M/s LG International Corp., Korea RP. 4. M/s P&A Corporation, Korea RP	***	***	***	(***)	(15-25)
2.	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s LG International Corp., 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s POSCO Asia Co. Ltd, Hong Kong 7. POSCO Processing & Service Co., Ltd., Korea RP	***	***	***	***	40-50
3.	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	1. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. Kowon Trading Corp, Korea	***	***	***	(***)	(55-65)
4.	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan, 2. Honda Trading Corporation, Japan, 3. Nissan Trading Co. Ltd, 4. Ohmi Industries Ltd, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Metal One Corporation, Japan.	***	***	***	***	5-15
5.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. Kanematsu Corporation Ltd, Japan 3. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 4. Metal One Corporation, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 7. Sumitomo Corporation, Japan 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan	***	***	***	***	20-30

6.	China PR	M/s Angang Steel Company Limited	1. M/s Angang Group Hong Kong Co. Ltd, Hong Kong 2. LG International Corp., Korea RP	***	***	***	***	10-20
7.	China PR	M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd.	1. M/s JiangsuShagang International Trade Co., Ltd., China PR, 2. M/s Xinsha International Pte Ltd, Singapore 3. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong 4. M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	40-50
8.	Ukraine	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works PJSC	Metinvest International SA, Switzerland	***	***	***	***	25-35

120. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

#### **Landed Value and Injury Margin for other producers and exporters from the subject countries**

121. The landed value to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best information available. Information provided by the responding exporters has been adopted for the purpose. The injury margin so worked out is mentioned in the table below.

Particulars	UOM	Japan	Korea RP	China PR	Ukraine
NIP	US\$/MT	***	***	***	***
Landed Value	US\$/MT	***	***	***	***
Injury Margin	US\$/MT	***	***	***	***
Injury Margin %	%	***	***	***	***
Injury Margin % Range	% Range	20-30	40-50	40-50	25-35

#### **Indian industry's interest & other issues**

122. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

123. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. The domestic industry submitted that imposition of proposed duty shall have insignificant cost implications for the consumer. Therefore, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

#### **Recommendations**

124. After examining the submissions made and issues raised, and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject countries.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

125. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.

126. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

**Duty Table**

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. 1.	7209, 7211, 7225 and 7226	Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated	Korea RP	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP  2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP  3. M/s. LG International Corp, Korea RP.  4. M/s P&A Corporation, Korea RP	NIL (Please Refer Note -1 below the Duty Table)	MT	US\$
2.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP  2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP  3. M/s. LG International Corp, Korea RP.	594	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						4. M/s P&A Corporation, Korea RP			
3.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s LG International Corp., 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s POSCO Asia Co. Ltd, Hong Kong 7. POSCO Processing & Service Co., Ltd., Korea RP	594	MT	US\$
4.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	1. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. Kowon Trading Corp, Korea	NIL (Please Refer Note -2 below the Duty Table)	MT	US\$
5.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	1. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. Kowon Trading Corp, Korea	594	MT	US\$
6.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	Any combination other than S. No. 1, 2, 3, 4 & 5		594	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
7.	-do-	-do-	Korea RP	Any country other than  those subject to anti- dumping duty	Any	Any	594	MT	US\$
8.	-do-	-do-	Any country other than  those subject to anti- dumping duty	Korea RP	Any	Any	594	MT	US\$
9.	-do-	-do-	Japan	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan,  2. Honda Trading Corporation, Japan,  3. Nissan Trading Co. Ltd,  4. Ohmi Industries Ltd, Japan  5. Mitsui & Co. Ltd, Japan  6. Metal One Corporation, Japan.	594	MT	US\$
10.	-do-	-do-	Japan	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan  2. Kanematsu Corporation Ltd, Japan  3. Marubeni- Itochu Steel Inc., Japan  4. Metal One Corporation, Japan  5. Mitsui & Co. Ltd, Japan	594	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						6. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 7. Sumitomo Corporation, Japan 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan			
11.	-do-	-do-	Japan	Japan	Any combination other than S. No. 9 & 10		594	MT	US\$
12.	-do-	-do-	Japan	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Any	Any	594	MT	US\$
13.	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Japan	Any	Any	594	MT	US\$
14.	-do-	-do-	China PR	China PR	M/s Angang Steel Company Limited	1. M/s Angang Group Hong Kong Co. Ltd, Hong Kong 2. LG Internationa l Corp., Korea RP	594	MT	US\$
15.	-do-	-do-	China PR	China PR	M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd.	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR, 2. M/s Xinsha International Pte Ltd, Singapore 3. M/s Lu Qin (Hong Kong)	594	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						Co., Ltd., Hong Kong 4. M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd, Hong Kong			
16.			China PR	China PR	Any combination other than S. No. 14 & 15		594	MT	US\$
17.			China PR	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Any	Any	594	MT	US\$
18.			Any country other than those subject to anti- dumping duty	China PR	Any	Any	594	MT	US\$
19.	-do-	-do-	Ukraine	Ukraine	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works PJSC	Metinvest International SA, Switzerland	594	MT	US\$
20.	-do-	-do-	Ukraine	Ukraine	Any combination other than S. No. 19		594	MT	US\$
21.	-do-	-do-	Ukraine	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Any	Any	594	MT	US\$
22.	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Ukraine	Any	Any	594	MT	US\$

**Note-1:** Only applicable for following quality/grades:

- i. Plain Carbon steels with Carbon <= 0.15% and maximum UTS <= 410 MPa - conforming to:
  - a. Commercial quality;
  - b. Drawing / Deep Drawing quality (D/DD)
  - c. Extra Deep Drawing quality (EDD)
- ii. Plain Carbon High Strength steels whether or not Interstitial Free, with UTS > = 350 MPa - IF-HS or HS
- iii. Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality (AHSS) with minimum UTS > = 590 MPa
- iv. Bake-Hardening Steel with minimum UTS > = 370 MPa (BH)
- v. Dual-Phase Steel with minimum UTS > = 370 MPa (DP)

**Note-2: Only applicable for following quality/grades:**

- i. Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality with minimum UTS > = 590 MPa having width < 600mm oiled and with trimmed edges.
- ii. Medium and High Carbon steels with Carbon > 0.15% having width < 600mm oiled and with trimmed edges.

### FURTHER PROCEDURE

127. The procedure as below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- a. The Authority invites comments on these provisional findings from all the interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, the applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views known, within forty days from the date of the publication of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- d. The Authority would disclose the essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing the final findings.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority